दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -54 जबलपुर, शनिवार 28 मार्च 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

लॉकडाउन की अफवाहों पर पीएम मोदी का बड़ा बयान टीम इंडिया बनकर संकट से निपटने की अपील

नई दिल्ली. (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और उसके चलते उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच देश में किसी भी प्रकार के लॉकडाउन की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक की. इस उच्चस्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री ने साफ संदेश दिया कि देश को टीम इंडिया की भावना के साथ मिलकर काम करना होगा और अफवाहों से बचते हुए हालात का मजबूती से सामना करना होगा.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करीब दो घंटे चली इस बैठक में उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को शामिल नहीं किया गया, जहां फिलहाल चुनावी प्रक्रिया चल रही है और आचार संहिता लागू है. बैठक का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बीच देश में ईंधन, गैस और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना था.

प्रधानमंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि देश में लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है और इस तरह की खबरें पूरी तरह अफवाह हैं. उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान जिस तरह केंद्र और राज्यों ने मिलकर टीम इंडिया के रूप में काम किया था, उसी तरह इस बार भी समन्वय और सहयोग के जरिए हर चुनौती का सामना किया जा सकता है.

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने राज्यों को निर्देश दिया कि वे आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू बनाए रखें और किसी भी तरह की जमाखोरी तथा मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें. उन्होंने कहा कि आम जनता तक जरूरी वस्तुएं समय पर और उचित कीमत पर पहुंचना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

प्रधानमंत्री ने यह भी जोर दिया कि राज्य स्तर और जिला स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय किए जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके. उन्होंने प्रशासनिक सतर्कता बनाए रखने और हर स्तर पर निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए.

ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देश में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की आपूर्ति पर लगातार नजर बनाए हुए है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि नागरिकों को किसी प्रकार की घबराहट की जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकार हर स्तर पर तैयार है.

कृषि क्षेत्र को लेकर भी प्रधानमंत्री ने विशेष चिंता व्यक्त की और राज्यों से कहा कि आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए उर्वरकों के भंडारण और वितरण की अग्रिम योजना बनाई जाए. उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए और इसके लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है. प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती और तटीय राज्यों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि शिपिंग, समुद्री गतिविधियों और जरूरी सामानों की आपूर्ति से जुड़े संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए पहले से तैयारी करनी होगी, ताकि किसी भी बाधा को समय रहते दूर किया जा सके.

बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री और रक्षा मंत्री सहित कई वरिष्ठ मंत्री भी शामिल हुए. इसके अलावा विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियों और योजनाओं की जानकारी साझा की. प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से अफवाहों और गलत सूचनाओं के प्रसार पर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि इस तरह की भ्रामक खबरें जनता में डर और भ्रम पैदा करती हैं, इसलिए जरूरी है कि सही और विश्वसनीय जानकारी समय पर लोगों तक पहुंचाई जाए. उन्होंने साइबर धोखाधड़ी और फर्जी एजेंटों से भी सतर्क रहने की सलाह दी. बैठक के दौरान यह भी संकेत मिला कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति पर काम कर रही है, जिससे वैश्विक परिस्थितियों का देश की अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन पर कम से कम असर पड़े. सरकार की प्राथमिकताओं में आर्थिक स्थिरता बनाए रखना, उद्योगों को सुचारू रूप से चलाना और नागरिकों के हितों की रक्षा करना शामिल है.

जबलपुर मेडिकल कॉलेज में शॉर्ट सर्किट, से अफरातफरी, मासूम की मौत पर हंगामा, परिजन-डॉक्टर आपस में भिड़े

जबलपुर. (नगर प्रतिनिधि) जबलपुर मेडिकल कॉलेज के बच्चा वार्ड (एचएनसीयू) के बाहर गुरुवार 26 मार्च की रात करीब 8ः30 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक धुआं उठने लगा. धुआं फैलते ही वार्ड में अफरा-तफरी मच गई.परिजन घबराकर अपने-अपने बच्चों को बाहर निकालने लगे. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धुआं उठने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वार्ड की ओर दौड़ पड़े. कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई. सूचना मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कर स्थिति को नियंत्रित किया.

नवजात की मौत की खबर से आक्रोश

घटना के दौरान एक नवजात की मौत की खबर भी सामने आई, जिससे परिजनों में आक्रोश फैल गया. हालांकि, अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि नवजात की मौत घटना से पहले हुई थी और उसका इस हादसे से कोई संबंध नहीं है. वहीं, कुछ परिजन ने आरोप लगाया कि घटना के समय वार्ड में न तो कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही वार्ड बॉय. इससे अफरा-तफरी और बढ़ गई और लोग अपने बच्चों को लेकर बाहर भागने लगे.

प्रबंधन का दावा, सभी बच्चे सुरक्षित

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा के मुताबिक, शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से चिंगारी उठने और धुआं फैलने की बात सामने आई है. उन्होंने बताया कि घटना वार्ड के बाहर हुई थी.अंदर भर्ती सभी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं.

पंखे में शॉर्ट सर्किट, स्टाफ ने संभाली स्थिति

गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न शर्मा ने बताया कि वार्ड के बाहर लगे एक पंखे में शॉर्ट सर्किट होने से धुआं उठा था, जिसे ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ ने तुरंत नियंत्रित कर लिया. पुलिस और अस्पताल प्रबंधन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं. घटना के कारणों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है.

एमपी में बड़ा हादसा - स्कॉर्पियो की टक्कर से आटो में सवार परिवार के 5 लोगों की मौत, 4 गंभीर

ग्वालियर. (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के परशुराम चौराहे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे सहित चार लोग घायल हैं. वहीं गंभीर हेड इंजरी की वजह से ऑटो ड्राइवर की हालत भी नाजुक है. हादसा शुक्रवार तड़के 3 बजे उस समय हुआ, जब ऑटो में सवार लोग शीतला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे. टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो नीम के पेड़ से टकराने के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, उसमें सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी. मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया. चश्मदीद के मुताबिक, स्कॉर्पियो ने बस स्टैंड पर एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी थी. उसके पीछे पुलिस लगी थी. भागते समय स्कॉर्पियो ने रास्ते में ऑटो को भी टक्कर मार दी. एसपी धर्मवीर यादव के मुताबिक, दो बच्चे, एक महिला और ऑटो ड्राइवर राजेश कुमार ट्रॉमा सेंटर में एडमिट हैं. स्कॉर्पियो चालक अमन शर्मा का मेडिकल टेस्ट करा रहे हैं. वहीं थाटीपुर थाने की पुलिस ने एमपी 21 जेड ई 5911 नंबर की स्कॉर्पियो जब्त कर ली है. इसके आगे का कांच टूट चुका है. सभी एयरबैग भी खुले हुए हैं. पुलिस के मुताबिक, सभी मृतक एक ही शाक्य परिवार के हैं, जो मुरार के घास मंडी और थाटीपुर की सरकारी मल्टी में रहते हैं. कल शुभम के बेटे आरव का जन्मदिन था. वे परिवार के साथ दोपहर 12 बजे करौली माता मंदिर, फिर स्थानीय वैष्णों देवी मंदिर गए. शाम को घर में बर्थडे मनाने के बाद रात 10 बजे शीतला माता के दर्शन करने चले गए थे.

लंदन जा रही एयर इंडिया फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी, दिल्ली वापस डायवर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट को बीच रास्ते से अचानक डायवर्ट कर वापस दिल्ली लौटाया जा रहा है। फिलहाल फ्लाइट के रूट बदलने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। एयरलाइन की ओर से भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे यात्रियों और परिजनों में चिंता की स्थिति बनी हुई है।

भोपाल एम्स के सामने निर्माणाधीन छज्जा गिरने से हड़कंप, मलबे में दबे 4 लोग; एक महिला की हालत गंभीर

भोपाल।(आरएनएस)। राजधानी में एम्स अस्पताल के ठीक सामने शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां सदन मेडिकल स्टोर के निर्माणाधीन छज्जे का एक हिस्सा अचानक भरभरा कर नीचे गिर गया। इस हादसे की चपेट में आने से चार लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस हादसे में कुल चार लोग घायल हुए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, घायलों में एक महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम घायलों पर लगातार नजर रखे हुए है और उनका इलाज कर रही है।

छिंदवाड़ा हादसे के बाद सीएम मोहन यादव का बड़ा दौरा, पीड़ित परिवारों से मिलकर दी सांत्वना और सहायता का ऐलान

छिंदवाड़ा.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर उनका दु:ख साझा किया. गुरुवार को हुए इस भीषण हादसे में कई लोगों की जान चली गई थी,

जिसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने अन्य कार्यक्रम रद्द कर सीधे छिंदवाड़ा पहुंचने का निर्णय लिया. वे दिल्ली प्रवास से लौटते ही बिना देर किए प्रभावित गांवों में पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया.मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा जिले की मोहखेड़ तहसील के ग्राम करेर, ग्वारा और झिरिया पहुंचे, जहां उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की. इस दौरान उन्होंने परिजनों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है. उन्होंने कहा कि यह हादसा

अत्यंत पीड़ादायक है और इस दु:ख की घड़ी में सरकार हर संभव मदद करेगी.घटना के बाद मुख्यमंत्री अस्पताल भी पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों का हाल जाना और उनके इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया. उन्होंने डॉक्टरों और प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि घायलों का इलाज किसी परिवार के सदस्य की तरह किया जाए और उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए. उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी घायलों को समय पर और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो. मुख्यमंत्री ने इस दौरान राहत और सहायता की बड़ी घोषणा भी की. उन्होंने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजनों को कुल 8-8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिसमें 4-4 लाख रुपये मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से और 4-4 लाख रुपये संबल योजना के तहत प्रदान किए जाएंगे. इसके अलावा, सभी घायलों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी और उनके इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी.

विशाल मेगा मार्ट पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई 1 लाख का जुर्माना, 15 दिन में सुधार न होने पर होगा सील

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) शहर में जनसुरक्षा और स्वच्छता मानकों को ताक पर रखने वाले व्यावसायिक संस्थानों के विरुद्ध निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नगर निगम ने अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शुक्रवार को विशाल मेगा मार्ट नेपियर टाउन पर संयुक्त टीम ने दबिश दी, जहाँ सुरक्षा और निर्माण संबंधी गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर 1 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान की उपस्थिति में अग्निशमन, स्वास्थ्य और भवन शाखा की संयुक्त टीम ने जब मार्ट का निरीक्षण किया, तो वहां सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ती मिलीं। मुख्य रूप से निम्नलिखित खामियां पाई गईंट्ठ अवरुद्ध इमरजेंसी एग्जिट आपातकालीन निकास के मार्ग में सामान भरकर उसे पूरी तरह बंद कर दिया गया था, जो किसी भी दुर्घटना की स्थिति में जानलेवा साबित हो सकता है। अक्रिय अग्निशमन प्रणाली आग बुझाने के लिए लगाए गए उपकरण डिस्चार्ज और कबाड़ की स्थिति में मिले। शॉर्ट सर्किट का खतरा बिजली

के पॉइंट के पास ही ज्वलनशील सामान का अंबार लगा पाया गया। नियम विरुद्ध निर्माण भवन का उपयोग स्वीकृत नक्शे के विपरीत हो रहा था। साइड मार्जिनल ओपन स्पेस को कवर कर लिया गया है और पार्किंग की कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिली।

परिसर में डस्टबिन की कमी और भारी गंदगी पाई गई, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के मानकों का उल्लंघन है। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह जुर्माना केवल चेतावनी है। प्रतिष्ठान के प्रबंधक को 15 दिनों के भीतर सभी कमियों को दूर कर पालन प्रतिवेदन नगर निगम के अग्निशमन विभाग में देना होगा अन्यथा प्रतिष्ठान को सील करने की कार्यवाही की जाएगी।

लॉकडाउन की खबरों पर केंद्र सरकार ने फुल स्टॉप लगाया है-अफवाह फैलाने वालों को सरकार ने दो टूक जवाब दिया है

भारत में लॉकडाउन लगेगा या नहीं? तीन बड़े मंत्रियों ने कर दिया क्लियर, जमाखोरों को दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत में लॉकडाउन और ईंधन की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पूर्ण विराम लगा दिया है। सरकार के तीन वरिष्ठ मंत्रियों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू किरेन रिजिजू और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट किया कि देश में लॉकडाउन लगाने का कोई इरादा नहीं है और जनता को पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है।

दरअसल, यह अफवाह प्रधानमंत्री मोदी के उस हालिया संसद बयान के बाद शुरू हुई थी, जिसमें उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के लंबे प्रभावों की चेतावनी दी थी। उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए एकजुट रहने की बात कही

थी, जिसे सोशल मीडिया पर गलत तरीके से लॉकडाउन से जोड़कर प्रचारित किया जाने लगा।

रिजिजू ने खबरों को बताया निराधार

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन खबरों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और जमाखोरों को सख्त चेतावनी दी गई है। उन्होंने राज्यों को निर्देश दिए हैं कि आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो और कोई भी आवश्यक वस्तुओं की होर्डिंग न करे।

डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना- हरदीप सिंह पुरी

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ईंधन की कमी की खबरों को नकारते हुए कहा कि डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के पास लॉकडाउन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति निरंतर बनी हुई है।

वित्त मंत्री ने चर्चाओं पर जताई हैरानी

इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजनीतिक गलियारों से उठ रही इन चर्चाओं पर हैरानी जताई। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा, कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन देखा गया था, वैसा कोई प्रतिबंध नहीं लगेगा। उन्होंने इन बातों को बेबुनियाद और चिंताजनक बताया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी गोहलपुर रीतेश पाण्डे ने बताया कि रात क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक उम्र लगभग 20-30 युवक जो सफेद रंग का लोवर एवं सफेद रंग की टीशर्ट पहने है अपने पास अवैध रूप से देशी पिस्टल रखे कोई अपराध करने की नियत से एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल तमरहाई मैदान मंदिर के पास खड़ा है, सूचना पर थाना एवं क्राईम ब्रांच की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की निगमायुक्त ने की समीक्षा, सभी विभागीय अधिकारियों को टीम वर्क के साथ कार्य करने दिए निर्देश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में जबलपुर को देश के शीर्ष शहरों में शामिल करने के लिए नगर निगम, जबलपुर अब पूरी तरह से सक्रिय है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने कहा कि स्वच्छता अभियान में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि काम जमीन पर दिखना चाहिए।

विभागीय तालमेल से बनेगा नंबर वन जबलपुर

समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने %टीम वर्क% पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वच्छता केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, जल, लोककर्म, उद्यान और वर्कशॉप जैसे सभी महत्वपूर्ण विभागों को आपसी समन्वय के साथ एक ईकाई के रूप में कार्य करना होगा।

उन्होंने बताया कि शहर की सुंदरता और सफाई एक साझा लक्ष्य है। जब सभी विभाग मिलकर प्रयास करेंगे, तभी हम रैंकिंग में सुधार कर पाएंगे।

सिटी प्रोफाइल और ज़मीनी निरीक्षण पर ज़ोर निगमायुक्त ने सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि फील्ड में उतरकर %सिटी प्रोफाइल% के कार्यों का सूक्ष्म निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि सड़कों की सफाई से लेकर कचरा संग्रहण और सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था को अपनी आंखों से देखें और जहां भी कमी मिले, उसे तत्काल दुरुस्त कराएं।

सार्वजनिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि शहर के सभी सार्वजनिक और सामुदायिक प्रसाधन केंदों को व्यवस्थित कराएं।

सुन्नी मुस्लिम काज़ियात वेलफेयर कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष बने प्यारे साहब

तेजी से करेंगे काज़ियात के काम

तालिब हुसैन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सुन्नी मुस्लिम काज़ियात वेलफेयर कमेटी ने पूर्व मंत्री विधायक अजय विश ?नोई की अनुशंसा एवं सुन्नी मुस्लिम काज़ियात वेलफेयर कमेटी के संरक्षक काज़ी अकलीम उद्दीन नियाज़ी (पूर्व प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश विधानसभा) की सहमति से सुन्नी मुस्लिम काज़ियात वेलफेयर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष काज़ी सैय्यद अनस अली चिश्ती द्वारा भाजपा नेता व इस्लामिक शिक्षाविद्ध प्यारे साहब को कमेटी का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है. राज्य सर्वशिक्षा अभियान मिशन समिति सदस्य प्यारे साहब की नियुक्ति पर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष काज़ी सैय्यद अनस अली चिश्ती ने कहा की प्यारे साहब के अनुभव योग्यता, चैतन्यता, निरंतर सक्रियता व इस्लामिक क्षेत्र में विद्वता के चलते कमेटी के कार्यक्षेत्र को व्यापक रूप से क्रियान्वित करने के साथ-साथ मुस्लिम समाज के काज़ियात से सम्बंधित कार्यों के लिये एक सशक्त प्रतिनिधित्व उभरकर सामने आयेगा, जिससे प्रदेश से जुड़े लोगों की समस्याओं का समाधान द्रुत गति से होगा. नियुक्ति पर विधायक अजय विश ?नोई, निराले साहब, डॉ. अविजित विश्नोई, अनिरुद्ध विश्नोई, तनज़ील ईशान, एड. तकमील नासिर, हाफिज़ मुईन अहमद अंसारी, सगीर राईन, सुहेल अनवर खान, मोहम्मद शमीम, जावेद खान, अरशिल सलीम, फैज़ान मिर्ज़ा, शारिल सलीम, तमसील समनान, तशकील फारान, इकलाख खान, अमजद हुसैन, अलीम कुरैशी, सलीम खान, अय्यूब अहमद खान, सादिक खान, इकबाल खान, एड. हाजी मुईन रज़ा, आमिर आज़ाद अंसारी, यासीन खान, असगर अंसारी आदि ने बधाई दी है.

श्री राम लला का हुआ प्राकट्य, जयकारों से गूंज उठा मंदिर

श्री हनुमान मंदिर आदर्श नगर में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नर्मदा रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर आदर्श नगर में धूमधाम से श्री रामलला का प्राकट्य उत्सव मनाया गया। सुबह अखंड मानस पाठ की समाप्ति के बाद हवन एवं पूजन किया गया। उसके बाद दोपहर में प्रभु श्री राम का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया। पूरा मंदिर परिसर श्री राम लला के जयकारों से गूंज उठा। लोगों ने आरती उतारी एवं भगवान का पूजन किया। दोपहर में आचार्य धीरेंद्र पांडे ने प्रवचन दिए, उन्होंने भारतीय समाज में श्री राम के आदर्श कैसे स्थापित हो इसकी व्याख्या की। इस अवसर पर कॉलोनी वासी उपस्थित रहे। इसके बाद स्वाति मोदी तिवारी एवं इंदिराशा स्कूल के बच्चों द्वारा भरतनाट्यम के मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसे देख दर्शक भाव विभोर हो उठे। सभी ने भरतनाट्यम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भंडारे के साथ आयोजन का समापन हुआ आयोजन समिति ने सभी श्रद्धांलुओं का आभार प्रकट किया ।।

मां शारदा आशीष दरबार से निकली जावारा विसर्जन शोभायात्रा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। माँ श्री शारदा आशीष दरबार, शक्ति नगर, जबलपुर में स्थापित कलश ज्वारे विसर्जन की शोभायात्रा 27 मार्च को दरबार प्रांगण से प्रारम्भ हुई । कलश ज्वारे के आगे अखण्ड ज्योति का मुख्य आकर्षण रहा। महिलाए, दरबार प्रांगण से गुप्तेश्वर महादेव मंदिर तक गई जावरा कलश लेकर गईं। तत्पश्चात् वाहनों से कलश ज्वारे विसर्जन हेतु ग्वारीघाट, नर्मदा तट तक ले जाए गए । कलश ज्वारे के साथ चलने वाली अखण्ड ज्योति भक्तों के आकर्षण का केन्द्र रही । शोभायात्रा के बाद दरबार में माँ के प्रसाद भण्डारे का आयोजन हुआ। माँ श्री शारदा आशीष दरबार व्यवस्था समिति के मुकेश कुशवाहा , मिलन मुखर्जी ,संजय बरहा, जयंत क्षीर सागर,पं. सुबोध मिश्रा, सुधांशु उपाध्याय, संतोष द्विवेदी , संतोष मिश्रा, नीरज पाण्डे ,सरबजीत तग्गड, मनीष शर्मा, मनीष विश्वकर्मा, मोहन जोशी, सौरभ तिवारी, अमर दुबे, रवि गुजर, कौशलेन्द्र महाजन, के. के. तिवारी, आदर्श तिवारी, करन ठाकुर, राकेश ठाकुर, राम सिंह, ऐल्वीन भैया, खेमराज वशिष्ठ, गगन वशिष्ठ, सुनील सोनी, सुनील राजपूत, राम शंकर दुबे, तरनप्रीत सिंह, विवेक त्रिपाठी, शिवम त्रिपाठी, रिपुंजय त्रिपाठी, बी.एल. नामदेव, श्रीमति मनजीत कौर तग्गड ,शीला मिश्रा, ज्योत्सना मुखर्जी, ममता बरहा, क्षमा त्रिपाठी, राजीव डनायक, आशीष डनायक, आरती द्विवेदी ,सीमा पासी, कृष्णा विश्वकर्मा, कल्पना महाजन, टीना ढौंडियाल ,जोशी आंटी, सिमरन कौर तग्गड , सीमा मिश्रा, मोनी पाण्डे , शीला गुजर, स्वाति गुजर, कमलेश बेरी, सुशील कुमार बेरी, पूजा डनायक , पदमा डनायक, तिलक रतलानी, विमलेश मिश्रा, प्रकाश गायकवाड़ , खुशबु गायकवाड़ ,प्रणिश भैया आदि ने बताया की माँ श्री शारदा आशीष दरबार में सभी के मनोरथ पूर्ण होते हैं। दूर-दूर से भक्त अपनी मन्नतें हेतु श्रद्धापूर्वक दरबार में अपनी उपस्थिती लगाने पहुँचते है।।

जबलपुर से निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस एलएचबी रैक के साथ दौड़ेगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं को विस्तारित किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट एवं गुजरने वाली जबलपुर - निजामुद्दीन - जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस ट्रेन के रेक को अब आईसीएफ से एलएचबी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। एलएचबी रैक से संचालित ट्रेन की विस्तृत जानकारी इस प्रकार है ः-

प्रारंभिक तिथि से प्रभावी रेलगाड़ियाँ एलएचबी कोच में परिवर्तित ः-

1) गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर - निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन जबलपुर से दिनाँक 30 मई 2026 से प्रभावित। 2) गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन - जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन निजामुद्दीन से दिनाँक 31 मई 2026 से प्रभावित। परिवर्तित एलएचबी कोच कंपोजीशन ः- इस ट्रेन में 01 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय, 05 वातानुकूलित तृतीय, 01 वातानुकूलित तृतीय इकॉनमी, 07 स्लीपर, 04 सामान्य श्रेणी, 1 एसएलआरडी एवं 1 जनरेटर कार सहित कुल 22 एलएचबी कोच रहेंगे। उल्लेखनीय है कि एलएचबी कोच पारंपरिक (आईसीएफ) कोचों की तुलना में अधिक आरामदायक एवं सुरक्षित होते हैं। इनमें उच्च गति पर संचालन की क्षमता होती है तथा ये वजन में भी हल्के होते हैं। नए डिज़ाइन में तैयार किए गए ये कोच यात्रियों को अधिक सुखद और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करते हैं।

जीवन का अर्थ

जीवन कोई प्रश्न नहीं,जिसका उत्तर शब्दों में मिले।
यह तो एक अनुभूति है,जो मौन में धीरे-धीरे खिले।।
यह सूर्योदय की पहली किरण है,जो अंधेरों को समझाती है।
यह संध्या की शीतल छाया है,जो थके मन को सहलाती है।।
जीवन कोई सीधी रेखा नहीं,यह वक्र पथों का संगम है।
कभी शिखर पर गर्व खड़ा,कभी घाटी में भीषण तम है।।
यह हँसी के मोती चुनता है,आँसू की धार में बहकर भी।
यह टूटकर फिर जुड़ जाता हैअपनों के स्पर्श को सहकर भी।।
जीवन का अर्थ सफलता नहीं,न ही केवल यश की माला।
यह तो भीतर की ज्योति है,जो करती हर तम को उजाला।।
जब हम अपने से आगे बढ़कर किसी और के दुःख को बाँटते हैं।
वहीं कहीं जीवन मुस्काता है,वहीं उसके अर्थ को पाते हैं।।
जीवन बहती हुई सरिता है,रुकना इसका स्वभाव नहीं।
जो हर पल को पूर्ण जिए उसके लिए कोई अभाव नहीं।।
अर्थ वही जो प्रेम में हो,सेवा में हो, सत्य में हो।
जीवन तब पूर्ण प्रतीत हो जब मैं सीमित, और हम में हो। ।

श्रीमती ज्योति प्यासी -जबलपुर

करदाताओं के लिए राहत, अब सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक जमा कर सकेंगे टैक्स, छूट का लाभ लेने शेष हैं मात्र 4 दिन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आज दिनांक 27 मार्च, 2026 को नगर निगम विभिन्न करों के भुगतान पर दी जा रही विशेष छूट की समय-सीमा समाप्त होने में अब मात्र 4 दिन शेष रह गए हैं। करदाताओं के उत्साह और सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने निगम के सभी कैश काउंटरों को सुबह 8ः00 बजे से रात्रि 8ः00 बजे तक खोलने के आदेश जारी किए हैं।

राजस्व वसूली अभियान की समीक्षा

आज आयोजित समीक्षा बैठक में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने राजस्व, जल, बाजार, स्वास्थ्य, कॉलोनी सेल और भवन शाखा के अधिकारियों को वसूली अभियान में और अधिक गति लाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व प्रत्येक विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें और नागरिकों को शासन की छूट संबंधी योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुँचाना सुनिश्चित करें। निगमायुक्त ने कहा कि कामकाजी नागरिकों की सुविधा के लिए अब देर रात तक काउंटर खुले रहेंगे, ताकि वे कार्यालयीन समय के पश्चात भी आसानी से कर जमा कर सकें।

अधिभार में छूट

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि समय पर कर भुगतान करने वाले नागरिकों को नियमानुसार अधिभार में भारी छूट का लाभ दिया जा रहा है। निगमायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि भवन शाखा और बाजार विभाग के अधिकारी सघन भ्रमण करें और बड़े बकायादारों से संपर्क कर वसूली सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि काउंटरों पर भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त अमला तैनात किया गया है ताकि वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को बकाया करों की राशि जमा करने कोई असुविधा न हो।

एमपी ट्रांसको ने मुरैना जिले की पारेषण प्रणाली को किया सुदृढ़

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने मुरैना जिले की विद्युत पारेषण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 132 केवी जौरा सबस्टेशन में 20 एम व्ही ए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर उच्च क्षमता वाले 50 एम व्ही क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि , जौरा सबस्टेशन की क्षमता वृद्धि से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अब बेहतर गुणवत्ता की बिजली और स्थिर वोल्टेज प्राप्त होगा। यह कार्य बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने एमपी ट्रांसको के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस कार्य के लिए बधाई दी।

खप्पर , बाना, ध्वजा,के साथ निकले खेरमाई माता मंदिर के जवारे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कजरवारा माँ खेरमाई माता मंदिर के जवारे महाकाली माई, खप्पर , बाना, ध्वजा के साथ करीबन 10 हजार भक्तों की अग्मानी में 108 जवारे कलश शोभा यात्रा प्रारंभ हुई, जवारे के पंडा मूलचंद ने विधि विधान से पूजन कर जवारे शोभा यात्रा के लिए कन्याओं के सर पर कलश स्थापना कर प्रस्थान की अनुमति माई से प्राप्त की। पंडा ने अपने शरीर में 51 बाना पहने, नंगे पांव करीबन तीन किलो मीटर पैदल शोभायात्रा में कलश लेकर भक्त चलेंगे। जवारे स्थल पर अनेक कन्याओं, महिलाओं ने भाव खेलते हुए जबारों की परिक्रमा लगाई। खेरमाई मंदिर समिति अध्यक्ष नकुल गुप्ता ने बताया है कि खेरमाई मंदिर में सच्चे भाव से मांगी गई मन्नतें एक वर्ष में ही पूरी हो जाती है। मन्नत वाले जवारे पर दूध, जल चढ़ाकर पूजन करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है। कजरवारा भ्रमण के पश्चात जवारे बजरंग बस्ती में कलश पूजन, भंडारे में फल, शरबत का वितरण किया जाएगा,कुलाना बस्ती में माई के मंदिर के सामने पूजन किया जाता है, भोगाद्वार में हनुमान मंदिर समिति कन्याओं का पूजन करेंगे, महावर परिवार द्वारा खप्पर, महाकाली का पूजन किया जाएगा, कन्हैया यादव के आवास के सामने विशाल भंडारे में भोजन कराया जाएगा, धोबीघाट में शोभायात्रा में शामिल सभी भक्तों का स्वागत किया जाना है। जवारे की शोभा यात्रा में क्षेत्रीय विधायक अशोक ईश्वरदास दास रोहाणी, पार्षद कृष्णा दास चौधरी, राजू पटेल, अटल उपाध्याय, अस्सू ठाकुर सहदेव गुप्ता, सचिन उपाध्याय, नरेंद्र उपाध्याय,कन्हैया यादव, अभय उपाध्याय , नमन उपाध्याय, प्रशांत चौकसे, अनिल चौकसे, संतोष यादव , प्रशांत वैष्णव, चिंटू पाल के साथ हजारों भक्त व्यवस्था सम्हाल रहे थे।

भोपाल-खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी , पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। भारत की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है। जिससे सप्लाई में कोई रुकावट नहीं है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 2046 स्थानों पर जांच की गई और 2888 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 09 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई।

श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में रामराज्य की स्थापना के प्रति राज्य सरकार की आस्था का प्रकटीकरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले को जामसांवली मंदिर से दी 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

राज्य सरकार सच्चा वादा और पक्का काम के ध्येय को साकार करते हुए बढ़ रही है संकल्प से सिद्धि की ओर-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सच्चा वादा और पक्का काम के ध्येय को साकार करते हुए संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ रही है। उज्जैन में 3 साल पहले बाबा महाकाल का महालोक बना। उसके बाद प्रदेश में प्रमुख तीर्थ स्थलों को धाम के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। आज चैत्र नवरात्रि में पांढुर्णा के जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक सहित 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन अद्भुत अवसर है। उन्होंने जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्यों के लिए घोषणा की तथा बताया कि यहां श्रद्धालुओं के लिए 10 बिस्तर का छोटा अस्पताल भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम नवमी के अवसर पर शुक्रवार को भोपाल से राजा रामचंद्र धाम ओरछा के लिए पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ होगा। श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में राम राज्य की स्थापना के प्रति सरकार की आस्था को प्रकट करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पांढुर्णा में स्थित जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 111 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण और 251 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत के 33 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह की बहनों को ऋण स्वीकृति पत्र और किसानों को पट्टों का वितरण किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पांढुर्णा जिले की पहचान संतरे की डलिया भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश केसाथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। खाड़ी में युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री भारत के स्वाभिमान के साथ विदेश नीति पर निर्णय ले रहे हैं। भारत सरकार के संकल्प से ही संकट के समय विदेशों में फंसे हजारों भारतीयों की स्वदेश वापसी संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री हनुमान ने जीवन में बड़ी चुनौतियों का अडिग रहते हुए सामना किया। प्रभु श्रीराम ने संकट के समय जब भी हनुमान जी को याद किया, उन्होंने पल भर में समस्या का समाधान कर दिया। जय बजरंगबली से हमें सीख मिलती है कि जीवन में कभी भी विनम्रता को नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही मन-बुद्धि के साथ अपने शरीर के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव गठित पांढुर्णा जिले में लंबे समय से कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की आवश्यकता थी। इसकी पूर्ति करते हुए अब पांढुर्णा को जिला पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालय के भवन की सौगात भी मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। पांढुर्णा में 10 एकड़ भूमि पर इंडोर और आउट डोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। जिले में नगरपालिकाओं के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। पांढुर्णा जिले में महिला पुलिस थाना बनाया जाएगा। सौंसर में कृषि विकास केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्हान नदी पर 30 करोड़ 50 लाख रूपए की लागत से बने पुल, मोहगांव से नांदनवाडी तक 22 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से बनी 24 कि.मी. लंबी सड़क, विभिन्न ग्रामों की नल-जल योजनाओं, नगर पालिका परिषद सौंसर के विभिन्न कार्यों, शासकीय महाविद्यालय पांढुर्णा में अतिरिक्त कक्ष और 4 ग्राम पंचायतों में अटल सेवा केन्द्रों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया, उनमें 69 करोड़ 49 लाख रूपए की लागत से बनने वाला संयुक्त जिला कार्यालय भवन सहित जिला चिकित्सालय और शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विकास कार्य, 21 करोड़ 48 लाख रूपए की लागत से बनने वाला पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा पुलिस विभाग से जुड़े विभिन्न विकास कार्य, 61 करोड़ 38 लाख रूपए की लागत से पांढुर्णा में बनने वाला रेलवे ओवर ब्रिज प्रमुख हैं। इसके साथ ही सौंसर में अमृत 2.0, राजस्व विभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासों, शासकीय उच्चतर विद्यालयों में बनने वाली प्रयोगशालाओं का भी भूमि-पूजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में किसानों को दिन में भी बिजली प्रदाय की जाएगी। किसान फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, दूध उत्पादन और मत्स्य पालन से भी अपनी आय बढ़ाएं। देश के किसान प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाएं।

राज्य सरकार ने दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी सत्र से शासकीय स्कूलों के बच्चों को माता यशोदा योजना में दूध के निः शुल्क टेट्रा पैकेट वितरित किये जाएंगे। स्कूली बच्चों को साल भर में 5 लाख साइकिलें बांटी गई हैं। कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी भी बांटी जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए संकल्पित है। प्रदेश में अब तक 70 हजार पदों के लिए नियुक्ति पत्रों का वितरण हो चुका है। इसमें ऊर्जा विभाग के 50 हजार पदों पर भर्ती शामिल है। हमारी सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में 42 हजार पदों पर नई भर्ती को भी स्वीकृति दी है। इसी वर्ष लगभग एक लाख नियुक्तियां पूरी कर ली जाएंगी। आगामी समय में युवाओं को 2.5 लाख नियुक्तियों की सौगात मिलेगी। ऊर्जा मंत्री एवं पांढुर्णा जिले के प्रभारी श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले को कई विकास कार्यों की सौगात दी है। नवगठित जिले में विकास कार्यों को निरंतर गति प्रदान की जा रही है।

रुई फैक्ट्री में भीषण अग्निकांड,घंटों मचा तांडव

बगल में स्थित गैस एजेंसी सुरक्षित होने से टला महाविस्फोट

सिवनी (आरएनएस)- जिले के कान्हीवाड़ा में गुरुवार की दोपहर एक रूई फैक्ट्री में भीषण आग लग जाने से क्षेत्र में भारी हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धू-धू कर जलने लगी। फैक्ट्री में रखे रूई और अन्य ज्वलनशील पदार्थों के कारण लपटों ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

दोपहर 3 बजे भड़की चिंगारी, आसमान में छाया काला गुबार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर लगभग 3 बजे कान्हीवाड़ा स्थित रूई फैक्ट्री से अचानक धुआं निकलता देखा गया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। रूई के ढेर और ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैलती गई और आसमान में कई किलोमीटर दूर तक काले धुएं का गुबार साफ दिखाई देने लगा। देखते ही देखते ग्रामीणों और राहगीरों का हुजूम मौके पर जमा हो गया। बगल में थी एचपी गैस एजेंसी, मची अफरा-तफरी इस अग्निकांड के दौरान सबसे डरावनी स्थिति तब पैदा हुई जब लोगों का ध्यान फैक्ट्री के ठीक बाजू में स्थित एचपी गैस एजेंसी की ओर गया। फैक्ट्री और गैस गोदाम एक दूसरे से लगे होने के कारण एक बड़े महाविस्फोट का खतरा मंडराने लगा था। यदि आग की लपटें गैस सिलेंडरों तक पहुँच जातीं, तो कान्हीवाड़ा में एक बड़ी जनहानि और तबाही निश्चित थी।

स्थानीय लोगों और कर्मचारियों की जांबाजी

खतरे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय युवाओं और गैस एजेंसी के कर्मचारियों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। आनन-फानन में गैस एजेंसी के भीतर रखे सिलेंडरों को बाहर निकाला गया और परिसर को खाली कराया गया। उनकी इस तत्परता की वजह से एक बहुत बड़ी अनहोनी टल गई।

देर रात तक चला रेस्क्यू, लाखों का नुकसान

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियाँ और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुँचा। रूई के भीतर दबी आग को बुझाना दमकल कर्मियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हुआ। घंटों की मशक्कत के बाद भी आग बार-बार धधकती रही। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद कहीं जाकर आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। इस हादसे में फैक्ट्री मालिक को लाखों रुपये के माल और मशीनों का नुकसान हुआ है। जांच में जुटा प्रशासन फिलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, हालांकि शुरुआती कयास शॉर्ट सर्किट के लगाए जा रहे हैं। प्रशासन और संबंधित विभाग अब आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं और नुकसान का सटीक आकलन किया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इतनी भीषण आग के बावजूद कोई जनहानि नहीं हुई।

जौरा सब स्टेशन में उच्च क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित -ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल -(आरएनएस) ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा मुरैना जिले की विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने के लिए 132 केवी जौरा सब स्टेशन की क्षमता में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि सब स्टेशन में पूर्व स्थापित 20 एमवीए क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 50 एमवीए क्षमता का नया पॉवर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इससे मुरैना जिले की पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा जौरा क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उचित वोल्टेज पर प्राप्त हो सकेगी। मंत्री श्री तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को विशेष लाभ मिलेगा और भविष्य में बढ़ती विद्युत मांग को भी आसानी से पूरा किया जा सकेगा।

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री राजीव तोतला ने जानकारी दी कि जौरा सब स्टेशन में नए पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से कुम्हेरी, जौरा, सुमावली, सांकरा, सिटी जौरा, चिनौनी, नवोदय तथा बगचिनी सहित आसपास के क्षेत्रों के लगभग 18 हजार विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

अवैध गौवंश परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 33 गौवंश मुक्त 7 आरोपी गिरफ्तार

सिवनी जिले में अवैध गौवंश परिवहन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। रातभर की रणनीतिक घेराबंदी के बाद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने 33 मवेशियों को बचाया। मामले में 7 आरोपियों को पकड़ा गया है जिससे नेटवर्क के खुलासे के संकेत मिले हैं। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा और निगरानी को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

उगली। (आरएनएस) केवलारी जनपद अंतर्गत उपतहसील उगली क्षेत्र में अवैध गौवंश परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई सामने आई है। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड उगली के कार्यकर्ताओं ने सतर्कता दिखाते हुए पूरी रात एम्बुश लगाकर अवैध रूप से ले जाए जा रहे मवेशियों को पकड़ लिया। इस कार्रवाई में कुल 33 मवेशियों को मुक्त कराया गया, वहीं 7 आरोपियों को भी पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत दुरेंदा क्षेत्र में देर रात संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर कार्यकर्ताओं ने रणनीति बनाकर घेराबंदी की। काफी देर तक निगरानी के बाद जब वाहन संदिग्ध स्थिति में पहुंचे, तो उन्हें रोककर जांच की गई, जिसमें अवैध रूप से मवेशियों के परिवहन का मामला सामने आया। कार्यकर्ताओं ने तत्परता दिखाते हुए सभी मवेशियों को कब्जे में लिया और आरोपियों को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना उगली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए सभी 33 मवेशियों को अपने संरक्षण में लेकर गौशाला बागडोंगरी भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह नेटवर्क कितने बड़े स्तर पर सक्रिय है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध गौवंश परिवहन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बजरंग दल की इस सक्रियता की सराहना की है और प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों में नियमित निगरानी रखकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर पूर्णतः रोक लगाई जा सके।

एमपीटास पोर्टल पर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के आवेदन 31 मार्च तक

सिवनी (आरएनएस) सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत स्ब्क्ष झड्डड्ढ क्क्षह्लड्डद्य पर शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नवीन आवेदन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पात्र विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपना आवेदन पूर्ण कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

आरटीई अंतर्गत नि-शुल्क प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

सिवनी (आरएनएस) जिला परियोजना समन्यक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि सत्र 2026-27 के लिए आरटीई अंतर्गत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 है, जबकि दस्तावेज सत्यापन 30 मार्च 2026 तक जनशिक्षा केंद्रों में किया जाएगा।

आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही मान्य होंगे। इस योजना में कमजोर वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को प्रवेश मिलेगा। पात्र बच्चों का चयन ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। जिले में अब तक 1066 आवेदन हुए हैं, लेकिन केवल 364 का सत्यापन हुआ है। इसलिए अभिभावकों से अपील की गई है कि जल्द सत्यापन कराएं, तभी बच्चे लॉटरी में शामिल हो सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए नजदीकी स्कूल या जनशिक्षा केंद्र से संपर्क करें।

रैक पॉइंट पर दुष्कर्म का प्रयास समय रहते टली अनहोनी आरोपी गिरफ्तार

दरिंदगी की हदें पार केवलारी में मासूम पर हमला इंसानियत शर्मसार

केवलारी (आरएनएस) केवलारी के रेलवे रैक पॉइंट पर 10 वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म के प्रयास की घटना ने न सिर्फ एक परिवार बल्कि पूरे समाज की संवेदनाओं को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है, जो सार्वजनिक स्थानों पर भी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम साबित हो रही है। घटना 24 जून 2026 की है, जब उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिनौरा निवासी अनुराग बेगा ने खुलेआम रैक पॉइंट के पास इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने का प्रयास किया। सवाल यह है कि आखिर एक सार्वजनिक और आवाजाही वाले स्थान पर इस तरह की दरिंदगी की हिम्मत आरोपी में आई कैसे? क्या वहां सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ कागजों में सीमित है? क्या नियमित निगरानी और गश्त का अभाव ऐसे अपराधों को खुला निमंत्रण नहीं दे रहा? हालांकि बच्ची की चीख-पुकार और आसपास मौजूद लोगों की सतर्कता से एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन यह घटना यह भी साबित करती है कि समाज की जागरूकता अब भी परिस्थितियों के भरोसे है, न कि व्यवस्था के। यदि समय रहते कोई सामने न आता, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 65(2) एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 3, 4, 5, 6 के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी प्रीतम सिंह तिलगाम ने जीरो टॉलरेंस नीति की बात कही है, लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सवाल है कि क्या हर बार अपराध होने के बाद की कार्रवाई को ही सफलता माना जाएगा? अपराध रोकने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश साफ दिखाई दे रहा है। स्थानीय नागरिकों ने रैक पॉइंट जैसे संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे, नियमित पुलिस गश्त और ठोस सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि पहले से निगरानी और सुरक्षा इंतजाम मजबूत होते, तो शायद ऐसी घटना घटित ही नहीं होती।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

इच्छा-मृत्यु की प्रक्रिया

इच्छा-मृत्यु की प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए अस्पताल अब अधिकृत हो जाएंगे। मगर प्रक्रिया की शुरुआत तभी होगी, जब मरीज के सर्वोत्तम हित में विस्तृत मेडिकल समीक्षा कर ली गई होगी। इस तरह इच्छा-मृत्यु का एक कायदा तय हो गया है। अचेतावस्था में पड़े व्यक्ति की चेतना वापस आने की आस टूट गई हो, तो मेडिकल उपकरणों से सहारे उस व्यक्ति की सांस चलाते रखने का प्रयास कब तक किया जाना चाहिए? डॉक्टर हथियार डाल चुके हों, उसके बावजूद मानसिक रूप मृत, लेकिन शारीरिक रूप से जीवित ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति किस हद तक वांछित है? ये बड़े बुनियादी किस्म के सवाल हैं, जो कुछ खास मामलों में हर आधुनिक समाज के सामने उपस्थित होते रहे हैं। इन सवालों के साथ धार्मिक, रिवायती और सामाजिक प्रश्न जुड़े रहते हैं। इसे स्वीकार कर लेने के बावजूद कि उनका प्रिय व्यक्ति अब सचेत नहीं हो पाएगा, भावनात्मक लगाव, एवं कई बार 'लोग क्या कहेंगे' जैसे सामाजिक दबाव के कारण परिवार पीड़ित की मृत्यु के इंतजार में बैठा रहता है। यह ऐसी पीड़ा है, जिसमें अचेतावस्था में पड़े व्यक्ति के साथ-साथ पूरा परिवार लंबे समय तक झूलता रहता है। एक ऐसे ही मामले में अब सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ण मेडिकल देखरेख में इच्छा-मृत्यु की इजाजत दी है। अशोक राणा अगस्त 2013 में पेइंग गेस्ट आवास की चौथी मंजिल से गिरने के बाद से अचेतावस्था में पड़े हुए हैं। 12 साल से जारी उनकी पीड़ा से आजिज़ परिवार ने सर्वोच्च न्यायालय से इच्छा-मृत्यु प्रदान करने की अनुमति मांगी। भारत में यह ऐसा पहला मामला नहीं है, मगर इस बार कोर्ट ने ऐसे मामलों के लिए प्रतिमान तय किया है।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा।

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी। मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।,

धर्म, जाति और धर्मांतरण- सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी।

आज भी मौजूद हैं हनुमान के पदचिन्ह, संजीवनी से जुड़ा है गहरा रहस्य

देवभूमि हिमाचल की सुंदरता और कई चमत्कारी मंदिरों के कारण यह देश-विदेश में प्रसिद्ध है। यहां पर कई देवी-देवताओं के मंदिर स्थित हैं। जो किसी मान्यता की वजह से आस्था के केंद्र बने हुए हैं। इन्हीं मंदिरों में शिमला का जाखू मंदिर भी शामिल है। यह मंदिर शिमला की सबसे ऊंची चोटी, जिसकी ऊंचाई 2,438 मीटर है पर स्थित है। इस मंदिर में बजरंगबली हनुमान जी की मूर्ति स्थापित है। इस मंदिर को विश्व की सबसे बड़ी मूर्ति के लिए जाना जाता है।

ऐसा दावा भी किया जाता है कि मंदिर में आज भी हनुमानजी के पैरों के निशान मौजूद हैं। पौराणिक मान्यता के मुताबिक जाखू मंदिर में भगवान हनुमान जी ने संजीवनी बूटी को ले जाते समय विश्राम किया था। तो आइए जानते हैं इस मंदिर के रोचक रहस्य के बारे में...

पौराणिक मान्यता के मुताबिक जब युद्ध के दौरान लक्ष्मण जी मेघनाथ की शक्ति बाण से मूर्छित हो गए थे। तो उनको बचाने के लिए हनुमान जी हिमालय से संजीवनी बूटी लेने के लिए गए थे। इस दौरान हनुमान जी की नजर जाखू पहाड़ी पर पड़ी। यहां पर यक्ष ऋषि तपस्या कर रहे थे। तब संजीवनी बूटी की जानकारी लेने और विश्राम के लिए हनुमानजी जाखू पहाड़ी पर उतरे थे।

प्रेम- त्याग और समर्पण का शाश्वत सत्य

प्रेम एक छोटा-सा शब्द है, किन्तु इसकी गहराई और विस्तार अनंत है। यह केवल भावना नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण और निस्वार्थता का जीवंत स्वरूप है। सच्चा प्रेम पाने के लिए मनुष्य को अपने अहं, स्वार्थ और वासनाओं का त्याग करना पड़ता है। बिना त्याग और समर्पण के प्राप्त प्रेम केवल आकर्षण या भ्रम हो सकता है, परंतु वह कभी भी शाश्वत या पवित्र नहीं हो सकता। वास्तविक प्रेम में वासना और स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। जहाँ स्वार्थ प्रवेश करता है, वहाँ प्रेम की पवित्रता समाप्त हो जाती है। इस सत्य को समझने के लिए भारतीय परंपरा में वर्णित आदर्श पात्रों के जीवन का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। पति-पत्नी के संबंध में राम और सीता का जीवन त्याग और समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। राजसी वैभव को त्याग कर वनवास का कठोर जीवन स्वीकार करना और हर परिस्थिति में एक-दूसरे के प्रति अटूट निष्ठा बनाए रखना, उनके प्रेम को अद्वितीय बनाता है। वहीं सखा रूप में कृष्ण और राधा का संबंध निस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा है। यह प्रेम भौतिक उपस्थिति से परे, आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक है। वृंदावन से दूर होने के बावजूद उनका प्रेम आज भी उतना ही जीवंत और प्रेरणादायक है। आस्था और भक्ति के स्तर पर मीरा और कृष्ण का संबंध प्रेम की चरम अवस्था को दर्शाता है। बाल्यावस्था से ही कृष्ण के प्रति मीरा की अटूट श्रद्धा, सामाजिक विरोध और कष्टों के बावजूद अडिग रही। विषपान जैसी कठिन परीक्षाओं से गुजरते हुए भी उनका विश्वास डगमगाया नहीं। अंततः उनका अस्तित्व कृष्ण में विलीन हो गया यह सच्चे समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। इतिहास और आस्था इस तथ्य के साक्षी हैं कि वासना रहित, निस्वार्थ और समर्पित प्रेम कालातीत हो जाता है। यही कारण है कि राम, सीता, राधा, कृष्ण और मीरा आज भी केवल ऐतिहासिक या पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग और समर्पण के शाश्वत आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं।

अंततः यह स्पष्ट है कि सच्चा प्रेम त्याग और समर्पण की मांग करता है। जब प्रेम इन तत्वों से परिपूर्ण होता है, तभी वह पवित्र बनकर समाज में आदर्श और प्रेरणा का स्रोत बनता है!

अरविंद रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

मिलती है सभी कष्टों से मुक्ति

ज्योतिष शास्त्र में मंगल देव को साहस, ऊर्जा, विवाह और शक्ति का कारक माना जाता है। लेकिन जब कुंडली में मंगल की स्थिति प्रतिकूल होती है, तो इसको मंगल दोष या %मांगलिक दोष% भी कहा जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति के विवाह में देरी, कर्ज, ज्यादा क्रोध और पारिवारिक कलह जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए भारत में कुछ विशेष मंदिर और उपायों के बारे में बताया गया है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उज्जैन में स्थित मंगलनाथ मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में स्थित मंगलनाथ मंदिर को मंगल देव का जन्मस्थान माना जाता है। शिप्रा नदी के तट पर स्थित यह मंदिर पूरे विश्व में मंगल दोष के निवारण के लिए प्रमुख केंद्र है।

क्यों खास है पूजा

पुराणों के मुताबिक मंगल देव की उत्पत्ति भगवान शिव के पसीने की बूंद से हुई थी। यहां की जाने वाली भात पूजा का विशेष महत्व होता है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल: भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर-पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों में सात पदक खेल शामिल होंगे—एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ-साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना है—चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है।

जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं।

कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है।

वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण—खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत—आज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके। ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं।इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे। चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें।

जैसे-जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे-वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है। इसका अर्थ है देश के हर कोने तक पहुँचना और यह सुनिश्चित करना कि हर युवा खिलाड़ी—विशेषकर जनजातीय समुदायों से—अवसरों से वंचित न रहे। जनजातीय खेलों की शुरुआत इसी सोच का परिणाम है और यह भारत के विकसित होते खेल तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।खेल उत्कृष्टता की यात्रा अक्सर उन गाँवों और समुदायों से शुरू होती है जहाँ सपने तो होते हैं, लेकिन अवसर सीमित होते हैं। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों के माध्यम से, सरकार खेल को इन्हीं क्षेत्रों तक पहुँचा रही है। इस प्रक्रिया में हम न केवल भविष्य के चैंपियनों को खोज रहे हैं, बल्कि भारत की प्रतिभा श्रृंखला को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि हम एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें और 2036 तक शीर्ष 10 तथा 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार कर सकें।

(लेखक भारत सरकार में युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं।)

-:: आज का राशिफल ::-

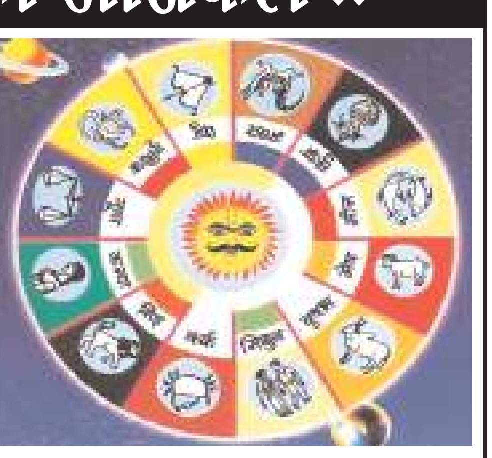

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। आज सफलता मिलने से थकान दूर हो जाएगी। आज आपकी कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे। आज प्रॉपर्टी संबंधी कार्य संपन्न होंगे।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आत्मविश्वास और मनोबल के सहारे आप नई उपलब्धि प्राप्त करेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज अत्यधिक जिम्मेदारियां रहेंगी परंतु आप उचित व्यवस्था बनाकर हल भी निकाल लेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। अनुभवी लोगों से मेल मिलाप तथा नई जानकारियां हासिल होंगी। आज क्रोध के कारण परिस्थितियां और अधिक बिगड़ सकती हैं। आज परेशानी आने पर शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकालने का प्रयास करेंगे

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज कई तरह की गतिविधियों में आपका रुझान रहेगा। आज किसी भी कार्य को करने से पहले उसके सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं पर अवश्य विचार कर लें।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कार्यप्रणाली बेहतर होगी और किसी काम में उचित सफलता मिलने से उत्साह और अधिक बढ़ेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज नए कार्यों को करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आज कुछ समय आत्म मनन और चिंतन में लगाएं। ज्यादा मेहनत की वजह से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, उचित भोजन का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज सकारात्मक गतिविधियों में खुद को व्यस्त रखेंगे। आज अपने गुस्से को कंट्रोल में रखें तथा फिजूलखर्च पर भी नियंत्रण रखें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज कुछ नई उपलब्धियां आपका इंतजार कर रही हैं। इस बेहतरीन समय का उचित सदुपयोग करें। आज उच्च पद पर आसीन व्यक्तियों के साथ आपका समय बीतेगा,

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपकी कई योजनाएं समय से पूरी हो जायेंगी। आज बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद व कृपा प्राप्त होगी और उनके मार्गदर्शन में आप खास निर्णय लेने में आसानी महसूस करेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। आज का दिन परिवार के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा। आज आप अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन पर जरूर अमल करें, निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपके अधूरे कार्य पूरे हो जायेंगे। आज आप बच्चों से मित्रवत व्यवहार रखें तथा उनकी समस्याओं को सुनें और सुलझाएं, इससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

सरकार ने मध्य पूर्व संघर्ष से उत्पन्न मुद्दों की निगरानी के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया है। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी सहित अन्य मंत्री भी इस समूह के सदस्य हैं। इस बीच सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया है और डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

हम पाकिस्तान की तरह 'दलाल' देश नहीं', ऑल पार्टी मीटिंग में जयशंकर के तीखे तेवर

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक (ऑल पार्टी मीटिंग) बुलाई, जिसमें देश की ऊर्जा सुरक्षा, विदेश नीति और भारतीयों की सुरक्षा पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री ने की, जबकि गृह मंत्री और विदेश मंत्री भी मौजूद रहे।

ऊर्जा को लेकर सरकार का भरोसा

बैठक में सरकार ने सभी राजनीतिक दलों को भरोसा दिलाया कि देश में ऊर्जा संकट जैसी कोई स्थिति नहीं है। सरकार के अनुसार, घरेलू स्तर पर स्न्न उत्पादन में करीब 60त्न तक बढ़ोतरी हुई है, जिससे आपूर्ति स्थिर बनी हुई है।

ने बताया कि में फंसे जहाजों में से 4 सुरक्षित निकल चुके हैं, जबकि अन्य जहाजों की वापसी की प्रक्रिया जारी है। खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को लेकर सरकार ने कहा कि भारतीय दूतावास लगातार काम कर रहे हैं और अब तक लगभग 4.25 लाख नागरिकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है।

पाकिस्तान की भूमिका पर चर्चा

बैठक के दौरान विपक्षी नेताओं ने की भूमिका पर सवाल उठाए। इस पर सरकार ने कहा कि पाकिस्तान का ऐसा रवैया नया नहीं है और वह लंबे समय से इस तरह की गतिविधियों में शामिल रहा है। इस संदर्भ में विदेश मंत्री ने स्पष्ट कहा कि भारत किसी भी स्थिति में दलाल देश की भूमिका नहीं निभाएगा।

मध्यस्थता की पेशकश पर प्रतिक्रिया

दरअसल, पर पोस्ट कर ईरान संघर्ष को खत्म कराने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की थी, जिसे ने भी साझा किया था। इस पर सरकार ने कहा कि यदि को पाकिस्तान के जरिए बातचीत उपयोगी लगती है, तो भारत उसे नियंत्रित नहीं कर सकता, लेकिन भारत अपनी स्वतंत्र कूटनीतिक नीति पर कायम रहेगा।

विदेश नीति पर सरकार का बचाव

विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि भारत लगातार सक्रिय कूटनीति अपना रहा है। सभी संबंधित देशों के साथ संवाद बनाए रखा गया है और हर स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है।

सरकार ने यह भी कहा कि कई बार खामोशी भी एक रणनीतिक हथियार होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारत निष्क्रिय है। कुल मिलाकर, सरकार ने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर पूरी नजर रखी जा रही है और देश के हितों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

नहीं बदले हैं गैस रिफिल बुकिंग के नियम, घबराने की जरूरत नहीं : पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली (आरएनएस)। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समय-सीमा (रिफिल टाइमलाइन) में बदलाव को लेकर चल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट पर सरकार ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा है कि एलपीजी रिफिल बुकिंग के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पुरानी व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय ने बताया कि कुछ समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन, नॉन-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समय-सीमा तय की गई है। सरकार ने इन दावों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मौजूदा नियमों के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग की समय-सीमा शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन ही है, और यह सभी प्रकार के कनेक्शन पर समान रूप से लागू होती है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे फैलाएं। साथ ही, घबराहट में गैस सिलेंडर की अनावश्यक बुकिंग से भी बचने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी तरह की कमी की कोई स्थिति नहीं है। सरकार ने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, देश भर में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार है और 1 लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही, पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और सिर्फ एक दिन में 7,500 नए कनेक्शन दिए गए हैं।

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर, ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान, एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के समर्थकों ने तख्तियां थाम रखी हैं।

पटना में अपनी समृद्धि यात्रा के समापन कार्यक्रम के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, श्रीनगर और शोपियां समेत कई जगहों पर मारे छापे

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने कश्मीर में कई जगहों पर छापे मारे हैं। ये छापे श्रीनगर, शोपियां और गांदरबल में मारे गए। यह मामला हाल ही में सीआईके पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए एक नए आतंकी जांच केस से जुड़ा है। काउंटर इंटेलिजेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को इसकी पुष्टि की है।

पिछले हफ्ते भी बड़ी कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने एक हाई-टेक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया और सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया। सीआईके के एक बयान में कहा गया कि एक बड़ी सफलता के तौर पर, काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने एक बेहद हाई-टेक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का पर्दाफाश किया और श्रीनगर में संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

बयान में कहा गया, सीआईके-सीआईडी को ऐसे गुप्त कॉल सेंटरों के काम करने के बारे में कई तकनीकी और विश्वसनीय इनपुट मिले थे, जो विदेशी और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी वाली ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल थे। सीआईके ने तुरंत तकनीकी विशेषज्ञों और फील्ड ऑपरेटिव्स की विशेष टीमें गठित कीं और कई जगहों पर व्यवस्थित निगरानी, डिजिटल खुफिया जानकारी जुटाने और सत्यापन का काम किया। आखिरकार, श्रीनगर के रंगरेथ स्थित औद्योगिक क्षेत्र में एक मुख्य ऑपरेशनल हब की पहचान की गई। इस कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए सीआईके की टीमों ने श्रीनगर शहर के अलग-अलग हिस्सों में त्वरित और सुनियोजित छापेमारी की। छापेमारी के दौरान सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया और बड़ी मात्रा में डिजिटल और संचार उपकरण जब्त किए गए, जिनमें 13 मोबाइल फोन, नौ लैपटॉप, वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल सिस्टम, सिम कार्ड, नेटवर्किंग डिवाइस और डिजिटल स्टोरेज मीडिया शामिल थे।

बयान में कहा गया कि इस धोखाधड़ी का तरीका यह था कि आरोपी वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल सिस्टम का उपयोग करके एक गुप्त, गैर-पंजीकृत कॉल सेंटर बनाते थे। इससे वे अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर जेनरेट कर पाते थे, सर्वर रूटिंग और स्पूफिंग तकनीकों का उपयोग करके अपनी असली लोकेशन छिपा लेते थे, और अनजान पीड़ितों के सामने खुद को वैध सेवा प्रदाता के रूप में पेश करते थे। इस कॉल सेंटर के जरिए अंतरराष्ट्रीय कॉल की जाती थीं और उन्हें रूट किया जाता था। पीड़ितों को निशाना बनाने के लिए एक नकली वेबसाइट और गूगल विज्ञापनों का इस्तेमाल किया जाता था। कई देशों में मौजूद लोगों से सुनियोजित कॉल ऑपरेशन और ऑनलाइन फिशिंग विज्ञापनों के जरिए संपर्क किया जाता था। जैसे ही कोई पीड़ित विज्ञापन पर क्लिक करता था, उसकी स्क्रीन पर एक टोल-फ्री नंबर दिखाई देता था। संदिग्धों की ओर से संचालित इस टोल-फ्री नंबर का उपयोग करके उन्होंने भोले-भाले लोगों को धोखा दिया

मिडिल ईस्ट में युद्ध के बीच आई अच्छी खबर, ईरान ने भारत-चीन समेत 5 देशों के लिए खोला होर्मुज

नई दिल्ली (आरएनएस)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह बंद नहीं है, बल्कि केवल दुश्मनों के लिए प्रतिबंधित किया गया है। राज्य टीवी पर दिए बयान में उन्होंने कहा, हमारे दृष्टिकोण से होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह बंद नहीं है। यह केवल हमारे दुश्मनों और उनके सहयोगियों के लिए बंद है। उनके जहाजों को गुजरने की अनुमति देने का कोई कारण नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि तेहरान की सशस्त्र सेनाएं मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान कर रही हैं। अराघची के अनुसार, अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगियों के जहाजों व तेल टैंकरों को रोका जा रहा है, जबकि अन्य देशों के जहाज समन्वय के बाद सुरक्षित रूप से गुजर रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल मची हुई है। तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है और शिपिंग कंपनियां संकट का सामना कर रही हैं। ईरान का कहना है कि मार्ग पूरी तरह बंद नहीं, बल्कि चयनात्मक रूप से नियंत्रित किया जा रहा है।

ईरान के अनुसार, चीन, भारत, इराक, रूस और पाकिस्तान जैसे देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जा रही है।

देहरादून में 'रामनवमी' उत्सव के दौरान, वीर सावरकर संगठन द्वारा आयोजित एक धार्मिक शोभायात्रा में श्रद्धालु भाग लेते हुए।

केरल : सीएम पिनराई विजयन ने राहुल गांधी के आरोप का किया खंडन, कांग्रेस को भाजपा की बी-टीम बताया

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके नेता ऐतिहासिक रूप से भाजपा की बी-टीम के रूप में काम करते रहे हैं। साथ ही उन्होंने राज्य में कम्युनिस्ट जनता पार्टी यानी कथित सीपीआई (एम)-भाजपा गठजोड़ के आरोपों को खारिज कर दिया। केरल में भाजपा और सीपीआई (एम) के बीच अपवित्र गठबंधन के बारे में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोप का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस ही वह पार्टी रही है, जिसने लगातार ऐसे रुख अपनाए हैं, जिससे कई राज्यों में भाजपा का उदय संभव हुआ है। उन्होंने पार्टी पर भाजपा विरोधी व्यापक गठबंधनों को कमजोर करने और महत्वपूर्ण मोड़ों पर विपक्षी एकता को खंडित करने का आरोप लगाया।

सीएम पिनराई विजयन ने कहा, राष्ट्रीय नेता होने के बावजूद राहुल गांधी स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के स्तर पर भी जमीनी हकीकत को नहीं समझते हैं।

देश भर में सुविधाजनक पुलियाएँ बनाने का रेल मंत्री का निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को अब रेलवे मिशन मोड में रोकेगा। सुविधाजनक पुलियाएँ बनाकर इसे सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी व्यापक तैयारियों के रूप में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों की एक 2श्नह्म-ह्यद्धश्च की।

जहाँ रेल पटरी के एक तरफ बस्ती है और दूसरी तरफ़ खेत, विद्यालय, श्मशान या अन्य उपयोगी एवं महत्वपूर्ण स्थान, ऐसे स्थानों पर ये रेल पुलियाएँ बनाई जायेंगी। रेल मंत्री ने देशभर में ऐसी रेल पुलियाओं को बनाने का निर्देश दिया, जहाँ अपने रोजमर्रा के जीवन में बड़ी संख्या में लोग पटरियों को पार करते हैं। रेल मंत्री ने अधिकारियों को एक ऐसी सुविधाजनक रेल पुलिया बनाने को कहा जो पटरी पार करने वाले लोगों के लिए एक जीवनदायिनी विकल्प के रूप में उभरे।

इन रेल पुलियाओं को बनाते समय यह ध्यान रखा जाएगा कि एक आम आदमी साइकिल, मोटर साइकिल तथा कामकाज से जुड़ी अन्य चीजों को भी अपने साथ ले जा सके। इससे देशभर में पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी। देश की एक बड़ी आबादी के लिए भारतीय रेल की ये पुलिया वरदान साबित होगी।

सुगम और सुरक्षित डिज़ाइन

रेल मंत्री ने अधिकारियों को देश की इस बड़ी समस्या से अगले 5-6 वर्षों में निजात दिलाने को कहा। ये पुलियाएँ इस प्रकार से बनाई जायेंगी ताकि पटरियों के आर पार इनका निर्माण मात्र 12 घंटे में हो सके। रेल मंत्री ने कहा कि, डिज़ाइन इस प्रकार की हो, ताकि लोगों को इसे इस्तेमाल करने में कोई हिचक न हो। जल भराव से पुलिया प्रभावित न हो।

संसद में उठा गंगा संरक्षण का मुद्दा, गंगा प्रहरी कैडर से युवाओं को जोड़ा जा रहा : राज भूषण चौधरी

धर्मशाला (आरएनएस)। संसद में गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने राज्यसभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को बताया कि नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के तहत स्थानीय समुदाय और युवाओं को जोड़ने के लिए गंगा प्रहरी कैडर का गठन किया गया है।

मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आम जनता को गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में इस मिशन के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता अभियानों पर कुल 17.68 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सदन को अवगत कराते हुए उन्होंने बताया कि गंगा नदी के तटों पर गंगा उत्सव, स्वच्छता पखवाड़ा, घाट पर योग, विश्व पर्यावरण दिवस और अन्य स्वच्छता अभियानों का आयोजन किया गया है, जिससे जनभागीदारी को बढ़ावा मिला है।

एआईसीसी के महासचिव सचिन पायलट केरल विधानसभा चुनावों से पहले, केरल के एर्नाकुलम ज़िले में स्थित को%च डीसीसी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए.

मुंबई के कमला मिल्स इलाके में ड्राइवर के नियंत्रण खो देने के बाद, बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट की एक बस डिवाइडर पर चढ़ गई।

प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को बताया दिल्ली का डकैत, शीशमहल में लगे लग्जरी आइटम्स का शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने केजरीवाल को दिल्ली का डकैत बताया है। प्रवेश वर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा, दिल्ली के डकैत की कहानी। भरोसे का चेहरा लेकर आया और खजाना अपने सपनों के शीशमहल में लगा गया। दिल्ली सरकार के मंत्री ने वीडियो पोस्ट शेयर किया है, जिसका शीर्षक है, धुरंधर पार्ट-3= दिल्ली के रहमान डकैत की कहानी। इस वीडियो में प्रवेश वर्मा खुद शीशमहल में लगे लग्जरी आइटम्स को दिखाते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, इससे एक दिन पहले बुधवार को दिल्ली विधानसभा में भी प्रवेश वर्मा ने इसी मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने सदन में एक लंबी सूची पेश करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के सरकारी आवास को शीशमहल की तरह तैयार किया गया, जिसमें बेहद महंगे और लग्जरी सामान लगाए गए। प्रवेश वर्मा के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास में जिम से लेकर फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक हर चीज पर भारी खर्च किया गया। उन्होंने दावा किया कि एक ट्रेडमिल की कीमत करीब 14 लाख रुपए थी, और उसके लिए अलग से ट्रेनर को भी भुगतान किया गया। वहीं, डम्बल सेट पर करीब 3 लाख रुपए खर्च किए गए। उन्होंने आगे बताया कि घर में 88 इंच का एक बड़ा टीवी लगाया गया जबकि तीन टीवी पर कुल 27 लाख रुपए खर्च किए गए। इसके अलावा चिमनी, सोफा, मिनी बार और एंट्रेंस लाइट जैसी सुविधाएं भी लगाई गईं, जो खर्च को और बढ़ाती हैं। फर्नीचर पर हुए खर्च का जिक्र करते हुए प्रवेश वर्मा ने कहा कि सोफा सेट के लिए दो टेंडर जारी किए गए। एक 35 लाख रुपए का और दूसरा 1.5 लाख रुपए का। उन्होंने बताया कि घर में कुल 76 टेबल लगाए गए, जिन पर करीब 1 करोड़ 5 लाख रुपए खर्च हुए। इसके अलावा 8 बेड पर 40 लाख रुपए, कुर्सियों पर 60 लाख रुपए और कंसोल पर 50 लाख रुपए खर्च किए गए। दिल्ली सरकार के मंत्री ने यह भी दावा किया कि घर में 1.5 करोड़ रुपए के पर्दे (कर्टन) लगाए गए, जबकि 60 लाख रुपए के कारपेट और छोटे पफी (सोफे के साथ रखे जाने वाले स्टूल) भी खरीदे गए।

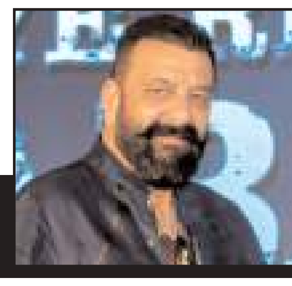

ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधरन्द रिवेंज में अपनी शानदार एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने के बाद, संजय दत्त अब एक नई फिल्म आखिरी सवाल के साथ बड़े पर्दे पर लौटने के लिए तैयार हैं। फिल्म के मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया है और साथ ही इसकी रिलीज डेट की भी जानकारी दी है। फिल्म के पोस्टर में संजय दत्त बेहद गंभीर और दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। उन्हें एक बड़े क्वेश्चन मार्क यानी प्रश्न चिह्न के अंदर दिखाया गया है। पोस्टर का आर्टवर्क गहरे रंगों और आग जैसे विजुअल्स से भरा है,

चित्रालय क्रिएशन्स की ओर से तीसरी प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा, हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी

अर्जुन आर्ट्स के बैनर तले, चित्रालय क्रिएशन्स बैनर के अंतर्गत प्रोडक्शन नंबर 3 का निर्माण हो रहा है, जिसकी निर्माता श्रीलक्ष्मी एम हैं। फिल्म का निर्देशन सलीम मलिक करेंगे, जिन्हें मैक के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने इससे पहले दर्जा का निर्देशन किया था। अभिनेत्री हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं ने हाल ही में इस परियोजना की आधिकारिक घोषणा की है।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म इमोशन-कॉमेडी एंटरटेनमेंट शैली में एक अलग अवधारणा पर आधारित होगी और इसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा। टीम ने कलाकारों और तकनीकी दल के बारे में भी जानकारी दी है

दर्जा से दर्शकों को प्रभावित करने वाले निर्देशक सलीम मलिक इस प्रोजेक्ट की कहानी, पटकथा और निर्देशन संभालेंगे। अनूठे विषयों को प्रस्तुत करने और दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए जाने जाने वाले सलीम मलिक अब एक और नई अवधारणा के साथ आ रहे हैं।

फिल्म के संवाद और गीत भाष्यश्री ने लिखे हैं, जबकि केवीआर ने अतिरिक्त पटकथा लिखी है। एम. समीर ने संगीत दिया है और विष्णु पणिक्कर छायांकन कर रहे हैं। अभिनेत्री हेबाह पटेल नायिका के रूप में नजर आएंगी। फिल्म निर्माता जल्द ही बाकी जानकारी की घोषणा करेंगे।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज हो रही सितारे जमीन पर, 3 अप्रैल से सोनी लिव पर होगी स्ट्रीम

अभिनेता आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब आमिर खान की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। जानिए किस प्लेटफॉर्म पर कब रिलीज हो रही है 'सितारे जमीन पर'। सोनी लिव ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि फिल्म 3 अप्रैल 2026 से उनके प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू हो जाएगी। यह तारीख गुड फ्राइडे के लंबे वीकेंड के साथ आ रही है। आमिर खान की इस फिल्म को लेकर उनके फैंस बेहद खुश हैं कि अब वह आमिर की फिल्म को ओटीटी पर घर बैठे देख सकेंगे।

राम चरण की पेड्डी के टीजर रिलीज पर आया अपडेट, जानकर झूम उठेंगे फैंस

राम चरण की फिल्म पेड्डी साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस फिल्म के 2 गानों चिकरी चिकरी और राय राय रा रा को बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है जिसके बाद से लोगों की उत्सुकता चरम पर है। इस बीच, खबर है कि निर्माता ज्यादा इंतजार न कराते हुए पेड्डी के टीजर जारी करने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए राम चरण के जन्मदिन से बेहतर दिन कोई नहीं हो सकता।

के मुताबिक, पेड्डी का टीजर 27 मार्च, यानी राम चरण के जन्मदिन पर जारी होने की उम्मीद है। यह भी बताया गया है कि प्रमोशनल टीजर की अवधि सिर्फ 40 सेकंड की होगी। निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है,

सान्या मल्होत्रा ने शुरू की सुंदर पूनम की शूटिंग, वास्तविक घटना से प्रेरित है फिल्म!

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं।

वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।

हाल ही में फिल्म मेकर्स ने सुंदर पूनम का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुंदर पूनम में लव स्टोरी के साथ-साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है,

फिल्म भूत बंगला का दूसरा गाना तू ही दिसदा जारी, खूबसूरत वादियों में खोए अक्षय-वामिका, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

भारतीय सिनेमा के गलियारों में जब भी कॉमेडी की बात होती है, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। पूरे 14 सालों के लंबे वनवास के बाद यह कल्ट जोड़ी 10 अप्रैल 2026 को फिल्म भूत बंगला के साथ बड़े पर्दे पर अपनी वापसी दर्ज कराने जा रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से बनी यह फिल्म न केवल पुरानी यादों को ताजा कर रही है, बल्कि आधुनिक हॉरर-कॉमेडी के जॉनर में एक नया मील का पत्थर भी स्थापित करने की तैयारी में है। फिल्म के पहले ट्रैक राम जी आके भला करेंगे की सफलता के बाद मेकर्स ने अब इसका दूसरा गाना तू ही दिसदा रिलीज कर दिया है। जहां पहला गाना फिल्म के माहौल को सेट करता था, वहीं यह नया गाना अक्षय कुमार और वामिका गब्बी के बीच की ताजा और खूबसूरत केमिस्ट्री को उजागर करता है। अरिजीत सिंह और निखिता गांधी की रूहानी आवाजों से सजे इस गीत को झरनों, घनी हरियाली और धुंध से ढके पहाड़ों के बीच फिल्माया गया है। प्रियदर्शन का सिग्नेचर स्टाइल यानी बेहतरीन विजुअल्स और प्राकृतिक सौंदर्य इस गाने के हर फ्रेम में झलकता है, जो इसे इस साल का सबसे बेहतरीन समर लव एंथम बनाता है। भूत बंगला की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्टार कास्ट है। अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे दिग्गजों की वापसी ने दर्शकों के बीच हेरा फेरी और भूल भुलैया वाले दौर की बेताबी पैदा कर दी है। इसके अलावा तब्बू और वामिका गब्बी की मौजूदगी फिल्म में अभिनय की गहराई और नयापन जोड़ती है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसमें प्रियदर्शन के क्लासिक वन-लाइनर्स और डरावने लेकिन मजाकिया दृश्यों की झलक मिलती है। यह साफ है कि मेकर्स पुरानी यादों और नए जमाने के हॉरर का एक सटीक मिश्रण लेकर आ रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की रू200 करोड़ की CSR पहल का उद्घाटन किया

नई दिल्ली = दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रिटेल ज्वेलरी समूह और एक जिम्मेदार ज्वेलरी ब्रांड, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) के तहत ?200 करोड़ के योगदान की घोषणा की। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल उपस्थित रहे

इस सीएसआर पहल के तहत केंद्रीय मंत्री ने देशभर की 33,000 छात्राओं के लिए शैक्षणिक छात्रवृत्ति वितरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद, इंडिया ऑपरेशंस के प्रबंध निदेशक ओ. अशर, कार्यकारी निदेशक निशाद ए.के. और अब्दुल्ला इब्राहिम, केरल हाउस के रेजिडेंट कमिश्नर पुनीत कुमार (आईएएस), प्रथम के सीईओ रुक्मिणी बनर्जी और थानल के चेयरमैन डॉ. इदरीस सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मलाबार चैरिटेबल ट्रस्ट की पहलें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की बेटियों को सशक्त बनाने के विज़न के अनुरूप हैं।

उन्होंने कहा कि मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स द्वारा सीएसआर के तहत 200 करोड़ रुपये आवंटित करने का निर्णय देश की प्रगति को और सुदृढ़ करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विकास यात्रा उसके लोगों—विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं—के सशक्तिकरण पर आधारित है, और शिक्षा के माध्यम से सार्थक परिवर्तन लाने के लिए कंपनी के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने छात्रों और युवाओं को बड़े सपने देखने, सीमाओं से आगे बढ़ने और भारत द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे व्यापक अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया, साथ ही उन्हें देश की विकास यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने कहा कि मानव संसाधन विकास राष्ट्रीय प्रगति की रीढ़ है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से प्रतिभा का विकास अत्यंत आवश्यक है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम विद्यार्थियों को शैक्षणिक सफलता हासिल करने और देश के विकास में योगदान देने में सक्षम बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि समूह दीर्घकालिक और स्थायी सामाजिक प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2026-27 के दौरान 19 राज्यों के 3,000 से अधिक स्थानों पर 15 प्रमुख सीएसआर परियोजनाएं लागू की जाएंगी, जिससे 2 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

दोपहर में झपकी लेने से आप दिन भर रहेंगे ऊर्जावान, जानिए कैसे

दोपहर की झपकी हर किसी के लिए जरूरी है, जिससे आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। दोपहर की नींद न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसके जरिए काम करने की क्षमता को भी बढ़ाया जा सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी दोपहर की झपकी को अधिकतम लाभकारी बना सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

सही समय चुनें

दोपहर की झपकी लेने के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर दोपहर एक से 3 बजे के बीच में झपकी लेना सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय शरीर की ऊर्जा का स्तर थोड़ा कम होता है और आप आसानी से सो सकते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस होती है। सही समय पर झपकी लेने से काम करने की क्षमता भी बढ़ती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं।

आरामदायक स्थान बनाएं

झपकी लेने के लिए एक आरामदायक स्थान चुनें, जहां शांति हो और रोशनी कम हो। अगर आप ऑफिस में हैं तो किसी खाली कमरे का उपयोग कर सकते हैं या डेस्क पर सिर झुकाकर आराम कर सकते हैं। घर पर बिस्तर या सोफे का उपयोग करें, जहां आपको पूरी तरह से आराम मिले। इसके अलावा, अगर संभव हो तो आंखों पर पट्टी बांधें, ताकि रोशनी न आए और आप बिना किसी बाधा के सो सकें।

समय का ध्यान रखें

झपकी लेते वक्त समय का ध्यान रखना न भूलें, ताकि आप समय पर उठ सकें। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर आप ज्यादा देर तक सो जाएंगे तो आपकी रात की नींद प्रभावित हो सकती है और आप अगले दिन थका हुआ महसूस करेंगे। समय का ध्यान रखने से आपको यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपकी झपकी 20-30 मिनट से ज्यादा न हो, जिससे आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

गहरी सांस लें

झपकी लेते समय गहरी सांस लेना बहुत फायदेमंद होता है। इससे मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है। गहरी सांस लेने से शरीर में ताजी हवा का स्तर बढ़ता है, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। गहरी सांस लेने से मानसिक तनाव भी कम होता है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

नियमितता बनाए रखें

झपकी लेने की आदत को नियमित बनाए रखना जरूरी है। हर दिन एक ही समय पर झपकी लेने से आपका शरीर उसे पहचानने लगता है और आसानी से सो जाता है। नियमितता से आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इस प्रकार, दोपहर की झपकी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

बालों को कितनी बार धोना होता है सही? जानिए इससे जुड़े मिथकों की सच्चाई

बालों को धोने की सही संख्या पर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचलित हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी है, जबकि कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। इस लेख में हम इन भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि वास्तव में कितनी बार बाल धोने चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और चमकदार बना सकते हैं।

भ्रम: रोजाना बाल धोना है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी होता है, ताकि वे साफ-सुथरे रहें और उनमें गंदगी न लगे। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है। रोजाना बाल धोने से सिर का प्राकृतिक तेल उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जिससे बाल सूखे और कमजोर हो सकते हैं। हफ्ते में 2 बार बाल धोना ही पर्याप्त होता है, ताकि वे स्वस्थ रहें और उनकी चमक बनी रहे। ज्यादा धोने से बाल झड़ने की समस्या भी खड़ी हो जाती है।

भ्रम: बाल धोने के बाद नहीं करना चाहिए कंडीशनर का उपयोग

कुछ लोगों का मानना है कि बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे बाल चिकने हो जाएंगे और गंदगी जल्दी चिपकेगी। सच यह है कि सही प्रकार का कंडीशनर बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। इसे सही तरीके से इस्तेमाल करने पर बाल चिकने नहीं होते, बल्कि स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं। इसलिए बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

भ्रम: बालों की लंबाई के अनुसार उन्हें धोने चाहिए

एक आम भ्रम यह है कि बालों की लंबाई पर निर्भर करता है कि कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। लंबे बालों वाले लोग अक्सर डरते हैं कि अगर वे ज्यादा धोएंगे तो बाल ज्यादा टूटेंगे। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। सही शैंपू और तरीके का उपयोग करने पर लंबे बाल भी धोएं तो वे स्वस्थ रहते हैं। छोटे बालों वाले लोगों को भी अपनी जरूरत के अनुसार ही बाल धोने चाहिए, ताकि वे साफ-सुथरे रहें।

भ्रम: बालों की प्रकार पर निर्भर करता है उन्हें कितनी बार धोना चाहिए कुछ लोग मानते हैं कि बालों की प्रकार पर निर्भर करता है कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। अगर आपके बाल तैलीय प्रकार के हैं तो आपको रोजाना उन्हें धोना पड़ सकता है, ताकि अतिरिक्त तेल हट सके। वहीं अगर आपके बाल सूखे या बेजान हैं तो हफ्ते में एक या 2 बार ही धोना बेहतर होता है, ताकि उनकी प्राकृतिक नमी बनी रहे।

शब्द सामर्थ्य -353

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फुर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो ऊबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

1		■	2	■	3		4	■
	■	5				■	6	
7	8		■	■	9		■	■
■	10		■	■	■	■	11	■
12		■	13	■	14			■
	■	15		16		■	17	18
	■		■	19		20	■	
21	22		23		■		■	
■	24			■	25			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 352 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

जबलपुर- थाना बेलखेड़ा में घायल को उपचार हेतु सुविधा अस्पताल लाये जाने की सूचना पर पहुॅची पुलिस को अनुभव बहुनिया उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम गुबराकला ने बताया कि वह खेती किसानी करता है दिनांक 25-3-26 की सुबह लगभग 9 बजे वह अपनी मोटर सायकल से घर से खेत जाने को निकला था उसी समय ऋषिकांत चौधरी अपनी स्कार्पियो से उसके पीछे हार्न बजाया और काफी तेजी से कट मारते आगे निकल गया था उसने आगे जाकर रोका और कहा कि थोड़ा हमाके संभलने का समय दो ऋषिकांत चौधरी (अहवासी) बोला कि अभी समय नहीं है

शिर्डी के साईनाथ महाराज की 28 वीं साई शोभायात्रा से साईंमय हुई संस्कारधानी नगर निगम चौक से मिलौनीगंज गुड़हाई चौक तक निकाली गयी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।श्री साई समर्थ प्रेरणा से संस्कारधानी शिर्डी साई शोभायात्रा समिति के सानिध्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समिति 27 मार्च 2026 शुकवार को नगर निगम चौक से रामनवमी के अवसर पर सच्चिदानंद सदगुरू साईनाथ महाराज, की 28 वीं शोभायात्रा सोपान संम्पादित करने जा रही है। वर्ष 1997 से चंद साई भक्तों के प्रयास से प्रारंभ यह पौधा भी आज यह वटवृक्ष बन गया है, तो उसकी जड़ों को हर साई भक्त हर साई मंदिर हर साई दरबार का मनसा वाचा कर्मणा से स्तुत्य योगदान है इस वर्ष 28 वीं साईंशोभा यात्रा प्रतिवर्ष अनुसार रामनवीं पर नगर निगम चौक से बाबा की आरती से शुभारंभहोकर मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया, कोतवाली, मिलौनीगंज, गुड़हाई चौक तक साईबाबा की अलख जगाते हुये गुड़हाई पर साई आरती के साथ समापन हुई। संस्कारधानी के नाम से विख्यात जबलपुर शहर धार्मिक कार्यक्रमों की भव्यता के लिए पहचाना जाता है। जब भी कोई धार्मिक आयोजन होते है, तो नगरवासी पूरी लगन एवं श्रद्धा के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते है जिसका ही परिणाम है कि आज संस्कारधानी की ख्याति एवं महत्ता संपूर्ण भारत में चर्चित है। अनवरत कई महिनों के कठिन परिश्रम एवं सेवाभाव से समर्पित साई सेवकों की लगन शीलता एवं कर्मठता से आज नगर धर्मधानी कहलाता है तथा महाकुंभ जैसे विशाल समुद्र को सुशोभित करने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एवं श्री सदगुरू साईनाथ महाराज की चैत्रशुक्ल की रामनवमी पर विशाल शोभायात्रा नगर निगम चौक से निकाली गयी जिसमें जबलपुर शहर के वरिष्ठ नागरिक श्री आशीष दुबे जी सांसद श्री रत्नेश सोनकर, अध्यक्ष, श्री जगत बहादुर अन्नू महापौर, श्री अभिलाष पाण्डे, विधायक, उत्तर मध्य श्री विनय सक्सेना, पूर्व विधायक, के साथ समिति के अध्यक्ष एवं सभी साई भक्तों के द्वारा बाबा की आरती के साथ शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा के अध्यक्ष श्री चन्द्रशेखर दवे, शोभायात्रा संयोजक श्री दुर्गेश शाह (टिंकल), श्री सुधीर बठीजा, संचालक, श्री मृगेन्द्र नारायण सिंह, एड. राजेश उपाध्याय श्री सुनील खम्परिया, मनोज काशिव, प्रदीप पटेल, गणेश ठाकुर, प्रबोध पाठक, डॉ सोनी, ललितदया रमानी, ए.के. शर्मा, अजय गुप्ता, अजय विश्वे, रोशन मध्यानी, राकेश, ऋषभ जैन, राजीव दवे, वंदना दवे, पी.के. दीक्षित, डी. के. साहू, वीरेन्द साहू आदि ने जानकारी देते हुये बताया कि शोभायात्रा में अश्वारोही दल, बैन्ड धमाल, डिस्को लाईट, अतिश्याजी का रोचक दृष्य प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा इस वर्ष शोभायात्रा में साईनाथ महाराज के साथ सर्वधर्म की लगभग 15 झांकिया सम्मिलित हुई। समिति के दिलीप कुरील, वेणुगोपाल राव, प्रवोध पाठक, आशीष विश्वकर्मा, जित्तू साहू, विज्जू, संन्जू, हेमन्त दवे, आदि ने जानकारी देते हुये बताया की साई भक्तों एवं विभिन्न व्यापारी संघ साई सेवा समिति लार्डगंज, गंजीपुरा व्यापारी संघ एवं अन्य संस्थायें मिलीनंगज गुडहाई पर विराम स्थल तक जगह-जगह पर स्वागत मंच लगाकर पूजन अर्चन, पुष्पवर्षा एवं प्रसाद वितरण कराया गया।

सामान्य से दोगुनी क्षमता पर पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति का संचालन

एचपीसीएल के भंडारण स्थलों पर पेट्रोल-डीजल का सात दिनों का कवर स्टॉक उपलब्ध

उपभोक्ताओं से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा पेट्रोल-डीजल की अनावश्यक खरीदी से बचने का किया आग्रह

जबलपुर- ऑयल मार्केटिंग कम्पनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कम्पनी (एचपीसीएल) ने जिले में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में बाधा संबधी खबरों को भ्रामक और निराधार बताया है।

कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि एचपीसीएल के पास पेट्रोल-डीजल का सात दिनों का कवर स्टॉक उपलब्ध है। ये कंपनी की कुल भंडारण क्षमता का 70 प्रतिशत से अधिक है। कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक के मुताबिक एचपीसीएल के भंडारण स्थलों पर पेट्रोल-डीजल की नियमित रूप से आपूर्ति प्राप्त हो रही है और इसमें आगे भी किसी प्रकार की कमी आने की संभावना नहीं है। एचपीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि कंपनी द्वारा वर्तमान में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति का संचालन लगभग दो गुनी क्षमता पर किया जा रहा है। लेकिन, अफवाहों की वजह से अचानक मांग में चार गुना वृद्धि हो जाने के कारण कुछ स्थानों पर दबाब की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके बावजूद एचपीसीएल के पास उपलब्ध पर्याप्त भंडारण से अचानक बढ़ी इस मांग को भी सुचारू रूप से पूरा किया जा सकता है। एचपीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधक ने उपभोक्ताओं से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा घबराहट में पेट्रोल-डीजल की अनावश्यक खरीदारी से बचने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि कंपनी उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिये प्रतिबद्ध है।

कृषि उपज मण्डी में छह दिन नहीं होगा नीलामी का कार्य

जबलपुर-त्यौहारों, शासकीय अवकाश एवं बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी के मद्देनजर कृषि उपज मण्डी प्रांगण जबलपुर में शुक्रवार 27 मार्च से लेकर बुधवार 01 अप्रैल तक नीलामी कार्य अस्थाई रूप से बंद रहेगा। कृषि उपज मंडी समिति के सचिव के अनुसार 27 मार्च को श्रीराम नवमी, 28 मार्च को बैंक का अवकाश, 29 मार्च को रविवार का अवकाश, 30 मार्च को बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी, 31 मार्च को महावीर जयंती तथा 1 अप्रैल को बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी होने के कारण मण्डी में किसी भी प्रकार का नीलामी कार्य संपादित नहीं किया जाएगा। सचिव ने कृषक बंधुओं से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए इस अवधि के

श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य मे आयोजन जैन नवयुवक सभा ने किया गौ माता का पूजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जैन समुदाय के आराध्य तीर्थंक श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य मे जैन नवयुवक सभा के तत्वावधान मे पंच दिवसी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है पहले दिन शुक्रवार को दयोदय पशु संवर्धन पर्यावरण केंद्र दयोदय तीर्थ गौ शाला मे जैन नवयुवक सभा एवं अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला परिषद लार्डगंज शाखा द्वारा गौ माता का पूजन एवं गौ ग्रास का आयोजन किया गया सभी नवयुवकों व सहभागी सदस्यों ने गौ ग्रास कर उन्हें गुड़, चना, रोटी, ककड़ी एवं टमाटर खिलाया। इस अवसर पर जैन नवयुवक सभा के अध्यक्ष- नितिन बेटिया, प्रधानमंत्री- शुभम चिल्लर, कोषाध्यक्ष- भावेश जैन, उपाध्याक्ष- मयंक जैन, अर्पित जैन, मंत्री- पवित्र जैन, अतिशय, मनीष लप्पू तथा महिला परिषद की ओर से संभागीय अध्यक्ष- संध्या शांत, अध्यक्ष- मीना बड़कुल, सचिव- संजना जैन, कोषाध्यक्ष- अनुप्रिया जैन, पूजा विद्यार्थी, मीना जैन, निशा चौधरी, श्वेता मोदी, मनीषा जैन, पुष्पा जैन, साधना बड़कुल उपस्तिथ थी गौ शाला कमेटी के अध्यक्ष- नीलेश जैन, प्रधानमंत्री- डॉ सतेन्द्र जैन, कमलेश कक्का, धन्यकुमार जैन, यश जैन, अरविंद भाई जी, सुबोध कामरेड जी उपस्तिथ थे। पंच दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन आज 28 मार्च शनिवार को रात्रि 8 बजे पिसनहारी तीर्थ पर भव्य दीपोत्सव का कार्यक्रम आयोजित है। भगवान महावीर जन्मकल्याण महोत्सव पर भव्य विशाल शोभायात्रा 30 मार्च सोमवार को शासनोदय तीर्थ हनुमानताल से प्रात: 7 बजे शोभायात्रा निकाली जायेगी शोभायात्रा मिलोनीगंज, कोतवाली, कमानिया गेट, खजाँची चौक, अंधेरदे, तुलाराम चौक, करमचंद चौक, मालवीय चौक, गंजीपुरा, लार्डगंज थाना होकर बड़े फुहारे पर समाप्त होगी।

तृतीय राज्य स्तरीय पुस्तक मेला के तीसरे दिन गणमान्य अतिथियों का हुआ आगमन

शिक्षा और संस्कारों का संगम है पुस्तक मेला- भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गोल बाजार स्थित ऐतिहासिक शहीद स्मारक परिसर में आयोजित तृतीय %पुस्तक मेला 2026% के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा शहर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश, भोपाल के उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक और शिक्षाविद उपस्थित रहे।

नवाचार और विजन की सराहना

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री रत्नेश सोनकर ने जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी के विजन और कार्यशैली की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री सोनी ने जब इस पुस्तक मेले की परिकल्पना की थी, तब उनका उद्देश्य सभी शैक्षणिक सामग्रियों को एक ही स्थान पर सुलभ कराना था। श्री सोनकर ने रेखांकित किया कि जब कोई कार्य पवित्र भाव और स्पष्ट विजन के साथ

शुरू किया जाता है, तो उसे न केवल समाज बल्कि सरकार भी सहर्ष स्वीकार करती है। यही कारण है कि जबलपुर की इस प्रभावी कार्यपद्धति को अब पूरे मध्य प्रदेश में अपनाया जा रहा है और शासन व प्रशासन इसे निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विशिष्ट अतिथि श्री श्रीनिवास राव के प्रेरणादाई उद्बोधन और उनके मार्गदर्शन की भी प्रशंसा की।

अभिभावकों को मिली बड़ी राहत

श्री रत्नेश सोनकर ने आगे कहा कि वर्ष 2024 से प्रारंभ हुई यह पहल अभिभावकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को उचित और कम दामों पर उच्च गुणवत्ता वाली कॉपियां व किताबें उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह आयोजन अपनी सफलता के साथ लगातार तीसरे वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। मेले में कॉपियों पर 50त्न तक की भारी छूट और जरूरतमंद बच्चों के लिए संचालित %बुक बैंक% के प्रति आम जनता में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सम्मान

मेले के तीसरे दिन भी स्कूली बच्चों द्वारा दी गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं और ओलंपियाड में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिला प्रशासन और आयोजक समिति ने शहरवासियों से अपील की है कि आगामी 5 अप्रैल तक चलने वाले इस ज्ञान के उत्सव में सपरिवार पहुँचकर लाभ उठाएं।

भगवान विश्वकर्मा चौक का लोकापर्ण करेंगे उपमुख्यमंत्री

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री विश्वकर्मा महासंगठन मप्र के अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा समाज की मांग पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के द्वारा भगवान विश्वकर्मा चौक के नामकरण के संबंध की आवश्यक प्रक्रिया की गई।

जिसके बाद एमआईसी से सदन में भगवान विश्वकर्मा चौक के नामकरण के प्रस्ताव की सहमति बनी और रानीताल गेट नम्बर 3 के पास वाले चौक को भगवान विश्वकर्मा चौक के नामकरण की स्वीकृति मिली। जिसका लोकापर्ण 29 मार्च को मप्र के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के द्वारा शाम 5꞉30 बजे किया जाएगा। जिसमें उपस्थिति की अपील विश्वकर्मा समाज के समस्त सामाजिकबंधुओं ने की है।

मां नर्मदा के पावन तट पर श्रीराम नाम का लगा जयकारा

विविध कलाओं की शीतल अभिव्यक्तियों में आंनददायी अनुभूतियां.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।- श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा श्रीरामनवमी के पावन पर्व पर कलानुशासनों में श्रीरामचंद्र की महिमा केन्द्रित आविर्भाव समारोह का आयोजन आज शाम गौरीघाट, जबलपुर में किया गया। समारोह का शुभारंभ गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक एवं प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। संस्कृति विभाग द्वारा यह आयोजन जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से किया गया, जिसमें श्रद्धा, भक्ति और शास्त्रीय-सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुपम संगम ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में श्री सुमित दुबे, नरसिंहपुर द्वारा बुंदेली गायन, सुश्री नुपूर माहौर, भोपाल द्वारा भरतनाट्यम शैली में श्रीराम केन्द्रित नृत्य नाटिका एवं अंत में श्री रुद्रकांत ठाकुर, सिवनी द्वारा भक्तिगायन की प्रस् तुति दी गई। प्रस्तुति की शुरुआत श्री सुमित दुबे एवं साथी कला कारों ने पारंपरिक बुंदेली लोकगायन से की। उन्होंने माँ नर्मदा के पावन तट पर जन्मे राम सलोना अवध में... गीत गाकर माहौल को भक्ति रस से भिगो दिया। इसके पश्चात जनम लये रघुरैया अवध में बाजे बधैया..., देवी दुर्गा ने दिए बरदान हमाये घर लाला भये.... राम लला मेरो बारो, नजर कोई इनपे ने डारो..., मोरी कटवा की नाव तेरे जा दूभरे पॉव... और मिल गए राम सफल भई अंखियां... जैसे लोक गीतों के माध्यम प्रस्तुति को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान करते हुए समापन किया। अगली प्रस्तुति सुश्री नुपूर माहौर एवं साथी कलाकारों ने भरतनाट्यम शैली में नृत्य नाटिका लव-कुश की रामायण% की दी। लव-कुश की रामायण, रामायण का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसमें भगवान श्रीराम के पुत्र लव और कुश की कथा का वर्णन मिलता है। यह कथा मुख्य रूप से माता सीता के वनवास और उनके पुत्रों के पालन-पोषण से जुड़ी है। वन में महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में माता सीता ने लव और कुश को जन्म दिया। महर्षि वाल्मीकि ने ही दोनों बालकों को शिक्षा दी, शास्त्र, नीति, धनुर्विद्या के साथ-साथ उन्होंने अपनी रची हुई रामायण का ज्ञान भी दिया। रामायण को दोनों ने कंठस्थ कर लिया। उनके गायन में उनके माता-पिता के जीवन का सार था। नाटिका में राम का जन्म, गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा, सीता स्वयंवर में शिव-धनुष भंग, वनवास और राम-राज्य की स्थापना के दृश्य ताल आदि, राग मलिका में निबद्ध थे।भरतनाट्यम की इस मनमोहक प्रस्तुति के बाद श्री रुद्रकांत ठाकुर एवं साथी कलाकारों ने अपने मधुर गायन से माहौल को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत चलो देख आये री राजा राम की नगरियाँ... गीत गाकर गौरीघाट के निर्मल तट को अयोध्या सा पावन कर दिया। इसके पश्चात भगवा मेरी जान है यारो.... राम कहानी सुनो रे राम कहानी.... तुम्हें बुला ए राजा राम ने हो माँ..., अयोध्या आए मेरे राम..., धर्म सनातन उत्तम है डंके की चोट पर कहता हूँ.... युग श्रीराम का आ गया..., खबर मेरी ले रई हो... राम कथा सुनने आए..., भाव के पर उतरना हारी.... सुनाही हो मैया... लौट भरत घर जा ओ..., हनुमत वीरा रे..., रामा-रामा रटते-रटते बीती रे उमरिया... जैसे राम भजन सुनाए। कार्यक्रम को विस्तार देते हुए मैया कल-कल बहती हो नर्मदा मैया... मैया नगर कोट जगरानी... जैसी भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने यह घोषणा की है कि फरार आरोपी को पकड़ने या गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले को निर्दिष्ट राशि दी जाएगी। सिविल लाइन थाना के मामले में लक्की कुशवाहा पटेल उर्फझालू पटेल ;20 वर्ष और देव उर्फदेबू पटेल को पकड़ने पर प्रत्येक को 5.000 रुपये नगद पुरस्कार मिलेगा। वहींए गोरखपुर थाना के मामले में दुर्गेश चौधरी निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनीए अधारताल को पकड़ने

घमापुर में सरेराह सनसनी ऑटो रोककर बदमाशों ने मां बेटी पर धारदार हथियार से किया जानलेवा हमला

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। घमापुर क्षेत्र में देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां ऑटो में सवार मां-बेटी पर बदमाशों ने सरेराह प्राणघातक हमला कर दिया. इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और राहगीरों में दहशत फैल गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के अंतर्गत सरकारी कुआं काली मंदिर के पास यह वारदात हुई. लालमाटी गणेश चौक निवासी सीमा वर्मा, जो कि एक बंगले में काम करती हैं, देर रात ऑटो से गंजीपुरा से अपने घर लौट रही थीं. उनके साथ उनकी बेटी मुस्कान और बहू पूजा भी ऑटो में सवार थीं.

जैसे ही ऑटो सरकारी कुआं के पास पहुंचा, तभी चिराग और आयुष नामक दो बदमाश वहां आ पहुंचे. उन्होंने ऑटो को जबरन रुकवाया और चालक राकेश चौधरी से पैसों की मांग करने लगे. जब चालक ने पैसे देने से इनकार किया, तो

दोनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी.

ऑटो चालक के साथ हो रही मारपीट को देख सीमा वर्मा ने इसका विरोध किया. विरोध करने पर बदमाशों ने गुस्से में आकर उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं. मां को बचाने के लिए जब बेटी मुस्कान बीच-बचाव करने आई, तो आरोपियों ने उसके साथ भी बेरहमी से मारपीट की.

घटना सरेराह होने के कारण वहां से गुजर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई. आसपास के लोग जब मदद के लिए आगे बढ़े, तो बदमाश उन्हें धमकाते हुए मौके से फरार हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमला अचानक और बेहद खौफनाक था, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में दहशत का माहौल बन गया.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल मां-बेटी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. पुलिस ने पीड़िता सीमा वर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है.

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि दोनों आरोपी पहले से किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हैं या नहीं.

इस घटना ने एक बार फिर शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात इस तरह की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है.

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है. इस वारदात ने यह साफ कर दिया है कि अपराधी किस कदर बेखौफ हो चुके हैं, जो सरेराह महिलाओं पर भी हमला करने से नहीं हिचक रहे.

पुलिसकर्मी के बेटे के घर लाखों की चोरी, 3 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। तिलवारा थाना क्षेत्र स्थित अर्णव विहार कॉलोनी में पुलिसकर्मी के बेटे के घर हुई चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी, चोरी में इस्तेमाल वाहन और औजार भी बरामद किए गए हैं, जबकि एक अन्य साथी अभी फरार है।

पुलिस के मुताबिक 20 मार्च को राहुल मिश्रा अपने परिवार के साथ घर में ताला लगाकर बाहर गए थे। 22 मार्च की सुबह घर में चोरी की जानकारी मिली, जहां मुख्य दरवाजे का लॉक टूटा हुआ था और अलमारी से सोने-चांदी के जेवर सहित लाखों का सामान गायब था। मामले में थाना तिलवारा में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन संदिग्धों—सूरज उर्फ दाऊ गौंड (19), विजय उर्फ नाटी (22) और लखनलाल उर्फ साहिल पटेल (18) को पकड़कर पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ में तीनों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने नगदी रकम, चोरी में इस्तेमाल सुजुकी एक्सेस वाहन और वारदात में उपयोग किए गए औजार जब्त किए हैं। आरोपियों ने शहर के अन्य थाना क्षेत्रों—संजीवनी नगर, पाटन, भेड़ाघाट, लार्डगंज और विजय नगर में भी सूने मकानों को निशाना बनाने की बात कबूली है। गौरतलब है कि यह चोरी एक प्रधान आरक्षक के बेटे के घर हुई थी, जहां बदमाशों ने देर रात करीब 30-45 मिनट तक घर में रहकर अलमारी से सोने-चांदी के जेवर और नकदी पर हाथ साफ किया। चोरी गए सामान की कीमत 70 से 80 लाख रुपए तक बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर गठित टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया है। फिलहाल फरार आरोपी की तलाश जारी है।

कन्या छात्रावास में विवाद, छात्राओं ने लगाए दुर्व्यवहार और दबाव के गंभीर आरोप

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राइट टाउन स्थित जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित कन्या छात्रावास में छात्राओं ने अधीक्षिका और विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं का कहना है कि अधीक्षिका द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और उनके चरित्र पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई।

बताया जा रहा है कि सैकड़ों छात्राएं अपनी समस्याओं—दुर्व्यवहार, साफ-सफाई की कमी और अन्य मुद्दों को लेकर शिकायत करने सहायक आयुक्त के पास पहुंचीं। इस दौरान छात्राओं का आरोप है कि सहायक आयुक्त ने भी उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

जांच टीम पर दबाव बनाने के आरोप

मामले की जांच के लिए पहुंची टीम पर भी छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जांच टीम ने मामले को दबाने के लिए उन पर दबाव बनाया और चेतावनी दी कि यदि दोबारा शिकायत की गई तो छात्रावास से निष्कासन तक की कार्रवाई की जा सकती है।

छात्राओं के अनुसार, इस घटनाक्रम के बाद छात्रावास में भय का माहौल बन गया है। वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और आशंका जता रही हैं कि आवाज उठाने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

इस पूरे मामले को लेकर शहर के आदिवासी संगठनों में भी नाराजगी देखने को मिल रही है। संगठनों ने इसे आदिवासी छात्राओं की अस्मिता से जुड़ा मुद्दा बताते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों या कर्मचारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे छात्राओं और समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

रेसिंग बाइक से आए शातिर बदमाशों ने चोरी किया कार का पहिया, गुरंदी बाजार पहुंच गए बेचने, CCTV में हुए कैद, अब पुलिस कर रही तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित गोकलपुर रांझी में चोरों ने पहले गैरेज के बाहर खड़ी कार से पहिया, स्टेपनी, स्पीकर व प्लेयर चोरी किया. फिर उसे बेचने के लिए करीब एक घंटे तक गुरंदी बाजार में घूमते रहे. जब किसी भी दुकानदार ने सामान खरीदने से इनकार कर दिया तो दोनों फरार हो गए. मामले का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है. बताया गया है कि गोकलपुर रांझी में अलताफ खान की मोटर गैरेज के बाहर खड़ी इंडिका कार को चोरों ने निशाना बनाया. अगले दिन सुबह जब वे लौटे तो कार का एक पहिया गायब था. जांच करने पर पता चला कि कार से स्टेपनी, स्पीकर और प्लेयर भी चोरी हो चुके हैं. कार के नीचे जैक लगा हुआ था, जिससे साफ था कि चोर आराम से पहिया खोलकर ले गए. चोरी के बाद दोनों आरोपी बाइक पर सामान लेकर गुरंदी बाजार पहुंचे. यहां वे करीब एक घंटे तक चक्कर लगाते रहे

बदमाश ने तानी लोडेड पिस्टल, घेराबंदी कर दबोचा गया खतरनाक आरोपी, वारदात से पहले ही नाकाम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गोहलपुर क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक बदमाश ने पुलिस टीम को देखते ही पिस्टल तान दी. हालांकि पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए आरोपी को मौके पर ही घेराबंदी कर पकड़ लिया. आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति तमरहाई स्कूल मैदान मंदिर के पास किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की नीयत से संदिग्ध रूप से खड़ा हुआ है. सूचना मिलते ही पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर दी.

जैसे ही पुलिस टीम आरोपी के करीब पहुंची, उसने अचानक पिस्टल निकालकर पुलिसकर्मियों की ओर तान दी, जिससे कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई. हालांकि पुलिस ने बिना घबराए तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू में कर लिया और किसी बड़ी घटना को होने से टाल दिया.

पकड़े गए आरोपी की पहचान शहबाज उर्फ भांजे अंसारी के रूप में हुई है, जो कि गोहलपुर क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है. तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी पिस्टल बरामद हुई,

भिक्षुक मुक्त जबलपुर की ओर बढ़ते कदम,नर्मदा तट गौरीघाट और तिलवाराघाट से होगी प्रशासन की विशेष पहल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संस्कारधानी को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी कार्ययोजना को धरातल पर उतारना शुरू कर दिया है। इस अभियान के प्रथम चरण में आस्था के प्रमुख केंद्र गौरीघाट और तिलवाराघाट को भिक्षुक मुक्त क्षेत्र बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए प्रारंभिक सर्वे सूची तैयार कर ली गई है।

निगमायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज स्वयं गौरीघाट एवं तिलवाराघाट क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को भिक्षुक पुनर्वास के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

पुनर्वास पर जोर, मानवीय दृष्टिकोण का पालन निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल क्षेत्र को खाली कराना नहीं, बल्कि भिक्षुकों का उचित पुनर्वास करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिह्नित भिक्षुकों को शासकीय आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए।

आमजन से अपील भिक्षा नहीं, सहायता दें प्रशासन ने संस्कारधानी के नागरिकों और श्रद्धालुओं से इस मुहिम में सहयोग की भावुक अपील की है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कहा की भिक्षावृत्ति को बढ़ावा न देना ही इस समस्या का स्थायी समाधान है। यदि आप दान करना चाहते हैं, तो वह भिक्षा के रूप में न देकर पंजीकृत संस्थाओं के माध्यम से प्रशासन को सहयोग करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2025/ एम/291/ 2025-26 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती ललिता चटर्जी, पति श्री रूपक कुमार चटर्जी** ने भवन क्रं. 470 पिन क्र. 1000595763 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत वार्ड** , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री वीरेन्द्र प्रकाश सक्सेना, पिता स्व. श्री जीवन सहाय, तृतीयतल 780 व.फु., **विक्रय पत्र, आधार कार्ड** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2025/ एम/25/ 2025-26 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री अशोक कुमार चौरसिया, पिता स्व. श्री महेश चौरसिया** ने भवन क्रं. 485 पिन क्र. 1000415017 **वार्ड क्र. 62, वार्ड भीमराव अम्बेडकर वार्ड** , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री महेश प्रसाद चौरसिया, भूतल............. व.फु., , प्रथमतल ....व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2025/ एम/293/ 2025-26 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री शैलेन्द्र कुशवाहा, पिता स्व. श्री रमेश चंद्र कुशवाहा** ने भवन क्रं. 4050/67 पिन क्र. 1000406434 **वार्ड क्र. 64, वार्ड महर्षि सुदर्शन वार्ड** , के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री रमेश चंद्र कुशवाहा, पिता स्व. श्री पंचीलाल कुशवाहा, भूतल 1052 व.फु., आर.सी.सी., प्रथमतल 1052 व.फु., आर.सी.सी. , **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति शपथ पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2025 / एम./ Q - 518 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज- श्री विपुल कुमार पटेल, पिता स्व. श्री शिवरतन पटेल** ने मकान नं 2652/1 सम्पत्ति पिन नं. 1000527582 का भाग **वार्ड वीरेन्द्रपुरी- 02 वार्ड** , भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2025 / एम./ Q - 517 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज- श्री विनय कुमार पटेल, पिता स्व. श्री शिवरतन पटेल** ने मकान नं 2652/1 सम्पत्ति पिन नं. 1000527582 **वार्ड वीरेन्द्रपुरी- 02 वार्ड** , भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2025 / एम./ Q - 516 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री गोविन्द सिंह ग्रोवर, पिता श्री गुरूबम्स ग्रोवर** ने मकान नं 2332 सम्पत्ति पिन नं. 1000492933 **वार्ड मदन महल- 15 वार्ड** , भूतल 345 व.फु., प्रथमतल 340 व.फु., द्वितीयतल 140 व.फु., **विक्रयपत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2025 / एम./ Q - 515 दिनांक 27.03.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री सन्तोष अमल कुमार कक्कर, पित श्री गोपीनाथ कक्कर** ने मकान नं .... सम्पत्ति पिन नं. 1000494298 **वार्ड मदन महल- 15 वार्ड** , कुल क्षेत्रफल 512 व.फु., भूतल 364 व.फु., प्रथमतल 264 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/282 2025-26 दिनांक 27/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000505724,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती छोटी केवट/ स्व. श्री रविशंकर केवट** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती पूजा सिंह, पति श्री अशोक कुमार सिंह** ने **मकान नं. 904/1, वार्ड क्र. 14 .... वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 513 व.फु., भूतल 420 व.फु., **दस्तावेज- विक्रय पत्र** प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/281 2025-26 दिनांक 27/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000502733,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री दौलतराम सैनी/ स्व. श्री मानक लाल सैनी** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती सुशीला बाई सैनी, पति स्व. श्री दौलत राम सैनी एवं श्री मनोज सैनी, पिता स्व. श्री दौलत राम सैनी** ने **मकान नं. 1072 आमनपुर, वार्ड क्र. 14 .... वार्ड,** भूतल 1385 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र** प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/280 2025-26 दिनांक 27/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000502899,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री भगवान दास बिनकर** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती पार्वती बाई बिनकर, पति स्व. श्री भगवान दास बिनकर, श्री केवलदास बिनकर, श्री धीरज दास बिनकर, दोनों के पिता स्व. श्री भगवान दास बिनकर** ने **मकान नं. 1756, वार्ड क्र. 14 .... वार्ड,** भूतल 936 व.फु., प्रथमतल 464 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096